BORDER NEWS MIRROR

ISSUE :

www.bordernewsmirror.com | Only bilingual Newspaper | 11-03-2024 (Monday)

// PAGE -3

चोरमा कोठी बाजार से नोनफरवा तक बनने वाली सड़क पर सियासत

कोठी बाजार पर राणा रणधीर सिंह तो नोनफरवा चौक पर लालबाबू प्रसाद गुप्ता ने किया शिलान्यास

// PAGE -2

जदयू प्रकोष्ठों के प्रभारियों की सूची जारी

जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने रविवार को पार्टी के विभिन्न प्रकोष्ठों के प्रभारियों की सूची जारी की।

// PAGE -2

मैं खुद या बेटा ओसामा निर्दलीय लड़ेंगे चुनाव: हिना शहाब

हिना शहाब ने खुद या अपने बेटे ओसामा को सीवान से लोकसभा का चुनाव लड़ने का ऐलान किया है।

मोदी ने छत्तीसगढ़ की महतारी वंदन योजना का किया वर्चुवल शुभारंभ

रायपुर

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज छत्तीसगढ़ सरकार की महतारी वंदन योजना की शुरुआत करते हुए 70 लाख से अधिक महिलाओं के खाते में 655 करोड़ रुपए 57 लाख रुपए की राशि अंतरित की। श्री मोदी ने बाबा विश्वनाथ की नगरी काशी से राजधानी के साइंस कालेज मैदान में आयोजित कार्यक्रम से वर्चुवल रूप से जुड़ते हुए अपने सम्बोधन में कहा कि ये मोदी की गारंटी है हमारी माताओं-बहनों को छत्तीसगढ़ सरकार नियमित रूप से प्रति माह 1000 रुपए की राशि अंतरित करेगी। इस मौके पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और उनके मंत्रिमंडल सहयोगी उपस्थित रहे। उन्होने कहा कि महतारी वंदन योजना के तहत छत्तीसगढ़ की 70 लाख से अधिक माताओं बहनों को हर महीने एक हजार रुपए देने का वायदा किया गया। सरकार ने अपना वायदा पूरा किया। आज महतारी वंदन योजना के तहत 655 करोड़ रुपए की पहली किश्त जारी की गई।उन्होने कहा कि डबल इंजन सरकार की प्राथमिकता हमारी माताओं बहनों का कल्याण है। आज परिवार को पक्का घर मिल रहा है वो भी महिलाओं के नाम पर, उज्ज्वला का सस्ता सिलेंडर मिल रहा है वो भी महिलाओं के नाम पर। 50 प्रतिशत से अधिक जनधन खाते वो भी महिलाओं के नाम पर। 65 प्रतिशत से ज्यादा मुद्रा लोन भी महिलाओं ने लिया है खासकर नौजवान बेटियों ने। उन्होंने अपना काम शुरु किया। श्री मोदी ने कहा कि पिछले दस वर्षों में हमारी सरकार ने महिला स्वं सहायता ग्रुप के माध्यम से 10 करोड़ से अधिक महिलाओं का जीवन बदला। हमारी सरकार के प्रयासों से अब तक एक करोड़ से ज्यादा लखपति दीदी बन गई हैं। गांव गांव में इतनी बड़ी आर्थिक शक्ति बन गई है। इस सफलता को देखते हुए हमने बड़ी छलांग लगाने का फैसला किया। हमने अब संकल्प किया कि देश की तीन करोड़ बहनों को लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य पूरा करेंगे। नमो ड्रोन दीदी योजना पर भी हम काम करेंगे। उन्होने कहा कि चुनावों में हमने छत्तीसगढ़ की खुशहाली की जो गारंटी दी थी उसे पूरा करने के लिए हमारी सरकार लगातार काम कर रही हैं। हमने गारंटी दी थी कि 18 लाख पक्के घर का निर्माण करेंगे। सरकार बनने के दूसरे ही दिन श्री साय की कैबिनेट ने इस पर काम शुरु कर दिया। छत्तीसगढ़ के धान किसानों को दो साल के बकाया बोनस की गारंटी दी थी। छत्तीसगढ़ सरकार ने अटल जी के जन्मदिवस के अवसर पर 3716 करोड़ रुपए किसानों के खाते में बोनस की राशि पहुंचा दी। हमने गारंटी दी थी कि किसानों से 3100 रुपए प्रति क्विंटल धान की खरीदी करेंगे। यह वायदा पूरा हुआ और 145 लाख मीट्रिक टन धान खरीदकर रिकार्ड बना दिया। खरीदी गई अंतर की राशि का भुगतान किसान भाइयों को इसी माह किया जाएगा। इस मौके पर मुख्यमंत्री श्री साय ने मोदी के प्रति महतारी वंदन योजना का शुभारंभ करने के लिए आभार जताते हुए कहा कि माताओं-बहनों को जिस दिन का बेसब्री से इंतजार था, वह दिन आज आ गया है।उन्होने कहा कि इस योजना के जरिए महिला सशक्तिकरण की दिशा में उठाया गया यह मजबूत कदम छत्तीसगढ़ की आधी आबादी के सपनों को पूरा करने की दिशा में बड़ी छलांग है।श्री साय ने कहा कि मोदी जी ने विकसित भारत के निर्माण का लक्ष्य देश के सामने रखा है। इसके लिए विकसित छत्तीसगढ़ का निर्माण बहुत जरूरी है। आप लोग जितनी सशक्त होंगी, हमारा देश और प्रदेश भी उतना ही सशक्त होगा।कार्यक्रम को महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े,शिक्षा मंत्री बृजमोहन अग्रवाल एवं कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने भी सम्बोधित किया।

तानाशाही से लोकतंत्र को बदलने के विरुद्ध लड़ते रहेंगे लड़ाई : राहुल

नयी दिल्ली

नयी दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी का मकसद संकीर्ण तानाशाही करके लोकतंत्र को बदलना है लेकिन कांग्रेस इसके खिलाफ लड़ाई लड़ती रहेगी और उसके इन मंसूबों को कभी पूरा नहीं होने देगी। श्री गांधी ने ट्वीट किया,"भाजपा सांसद का बयान कि उन्हें 400 सीट संविधान बदलने के लिए चाहिए, नरेंद्र मोदी और उनके 'संघ परिवार' के छिपे हुए मंसूबों का सार्वजनिक ऐलान है। श्री मोदी और भाजपा का अंतिम लक्ष्य बाबा साहेब के संविधान को ख़त्म करना है। उन्हें न्याय, बराबरी, नागरिक अधिकार और लोकतंत्र से नफ़रत है।" उन्होंने कहा,"समाज को बांटना, मीडिया को गुलाम बनाना, अभिव्यक्ति की आज़ादी पर पहरा और स्वतंत्र संस्थाओं को पंगु बनाकर विपक्ष को मिटाने की साजिश से वो भारत के महान लोकतंत्र को संकीर्ण तानाशाही में बदलना चाहते हैं।

SAKSHI COMPUTER INSTITUTE
HARSIDHI, EAST CHAMPARAN-845422
CONTACT NO.-9470050309, 6209214001, 8809414001

पश्चिम बंगाल, केरल, जम्मू-कश्मीर में टूटा INDI गठबंधन, NDA की ताकत बढ़ी: सुमो

पूर्व उप मुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी

बीएनएम@पटना

पटना। पूर्व उप मुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी ने कहा कि पश्चिम बंगाल में सभी 42 सीटों पर टीएमसी उम्मीदवारों की घोषणा के साथ राज्य में आईएनडीआई गठबंधन टूट गया। दूसरी तरफ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विश्वास प्रकट करते हुए उड़ीसा, आंध्र प्रदेश और पंजाब में पुराने मित्र दलों का एनडीए से जुड़ना लगभग तय होने से सत्तारूढ गठबंधन अधिक शक्तिशाली हुआ है। सुशील मोदी ने कहा कि इस साल 28 जनवरी को नीतीश कुमार के आईएनडीआई गठबंधन छोड़ने के बाद से विपक्षी खेमे में विघटन और कांग्रेस से नाता तोड़ने की हवा तेज हुई। यही हाल रहा तो 18वीं लोकसभा का चुनाव एकतरफा होगा और एनडीए 400 पार का लक्ष्य प्राप्त करेगा। मोदी ने रविवार को यहां कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने गरीबों, महिलाओं, युवाओं और किसानों के विकास के लिए 10 साल तक बिना ब्रेक लिए जितने का काम किए, उससे प्रो-इनकम्बैंसी (सत्ता-समर्थक) लहर चल रही है। यह 1984 में इंदिरा गांधी की हत्या के बाद उठी सहानुभूति लहर से कम नहीं और इस बार एनडीए राजीव गांधी को मिले अपार बहुमत (415) का रिकॉर्ड तोड़ सकता है। मोदी ने कहा कि भाजपा उड़ीसा में बीजू जनता दल (बीजद), आंध्र प्रदेश में तेदेपा और पंजाब में शिरोमणि अकाली दल सहित कई बड़े-छोटे क्षेत्रीय दलों से चुनावी समझौता करने के करीब है। दूसरी तरफ इंडी गठबंधन में किसी नये दल का शामिल होना तो दूर, पहले वाले भी साथ छोड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि वायनाड संसदीय क्षेत्र में राहुल गांधी के विरुद्ध भाकपा महासचिव डी राजा की पत्नी के चुनाव लड़ने की घोषणा से केरल में भी इंडी गठबंधन टूट गया। जम्मू-कश्मीर में नेशनल कांफ्रेंस और पीडीपी में समझौता हो गया और उमर अब्दुल्ला इंडी गठबंधन में शामिल होने की गलती स्वीकार कर रहे हैं। मोदी ने कहा बिहार में एनडीए मजबूत है और उत्तर प्रदेश में जयंत चौधरी, ओम प्रकाश राजभर, संजय निषाद की पार्टियां एनडीए के साथ आ चुकी हैं। चुनाव परिणाम ऐतिहासिक होगा।

NEWS IN BRIEF

जदयू प्रकोष्ठों के प्रभारियों की सूची जारी

पटना। जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने रविवार को पार्टी के विभिन्न प्रकोष्ठों के प्रभारियों की सूची जारी की। व्यावसायिक एवं शिक्षा प्रकोष्ठ का प्रभार विधान पार्षद ललन कुमार सर्राफ, किसान एवं सहकारिता प्रकोष्ठ का प्रभार पूर्व विधायक मंजीत सिंह, छात्र प्रकोष्ठ का प्रभार पार्टी के प्रदेश महासचिव रंजीत झा एवं अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ का प्रभार मेजर इकबाल हैदर को दी गई है। मौके पर पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने कहा कि पार्टी को पूरा विश्वास है कि नव मनोनीत प्रभारी अपने-अपने प्रकोष्ठ को मजबूत और धारदार बनाने में अहम भूमिका निभाएंगे। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार के आदेशानुसार संगठन के प्रति समर्पित और अनुभवी पदाधिकारियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई है। उन्होंने विश्वास जताया कि नव मनोनीत प्रकोष्ठ प्रभारियों का लंबा राजनीतिक अनुभव पार्टी के लिए लाभकारी साबित होगा और हम बिहार की सभी 40 लोकसभा सीटों पर एनडीए की ऐतिहासिक जीत का लक्ष्य पूरा करेंगे।

सड़क दुर्घटना में महिला समेत दो की मौत

छपरा। बिहार में सारण जिले के दरियापुर और गड़खा थाना क्षेत्र में रविवार को सड़क दुर्घटना में एक महिला समेत दो लोगों की मौत हो गई। पुलिस सूत्रों ने यहां बताया कि दरियापुर थाना क्षेत्र में मुख्य मार्ग पर मछली खरीद कर मोटरसाइकिल से वापस घर लौट रहे मढ़ौरा थाना क्षेत्र के जजौली वार्ड नंबर 13 निवासी स्व. जलील मियां के पुत्र सिराजुद्दीन (55) को अनियंत्रित अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दिया। इस घटना में घायल सिराजुद्दीन को नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में लाया गया, जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया।

घोटाले करने के लिए सत्ता चाहते हैं राजद-कांग्रेस जैसे दल : जदयू

बीएनएम@पटना

पटना। जनता दल यूनाइटेड (जदयू) ने जांच में नल-जल योजना से संबंधित 1100 करोड़ की निविदाओं में भारी गड़बड़ी मिलने को लेकर राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और कांग्रेस पर निशाना साधा और कहा कि ये परिवारवादी दल घोटाले करने के लिए सत्ता चाहते हैं। जदयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन ने रविवार को कहा कि बिहार सरकार की जांच में पीएचईडी विभाग में नल-जल योजना से संबंधित 1100 करोड़ रुपये की निविदाओं को भारी गड़बड़ी मिलने पर रद्द कर के सरकार ने एकबार फिर से यह साबित कर दिया है कि राज्य में भ्रष्टाचार पर किसी तरह का कोई रहम नहीं किया जाएगा। इससे यह भी पता चलता है कि जनता चाहे राजद की जितनी भी दुर्गति कर दे, उनमें सुधार आना असंभव है। गौरतलब हो कि यह निविदाएँ सत्ता में रहते हुए राजद के मंत्री द्वारा निकाली गयी थी, जिसकी जांच करने पर भारी खामियां पायी गयी हैं।

पीएम करेंगे न्यू-जलपाईगुड़ी से पटना के लिए वंदे भारत एक्सप्रेस का शुभारंभ

बीएनएम@कटिहार

कटिहार (बिहार)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 12 मार्च को सुबह 09:15 बजे गुजरात के अहमदाबाद से वीडियो कांफ्रेंस के जरिए 85 हजार करोड़ से अधिक की रेल परियोजनाओं का शिलान्यास करेंगे। इसी दौरान कटिहार रेलमंडल के न्यूजलपाईगुड़ी से पटना के लिए वंदे भारत एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या-22233/22234) का भी शुभारंभ होगा। इस बाबत कटिहार रेलमंडल के सीनियर डीसीएम ने रविवार को बताया कि न्यूजलपाईगुड़ी से पटना के लिए वंदे भारत एक्सप्रेस सप्ताह में छह दिन (मंगलवार छोड़कर) चलेगी। इस ट्रेन में कुल आठ कोच होंगे। इसके अलावा कटिहार रेल मंडल में वोकल फोर लोकल दृष्टिकोण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 26 की संख्या में वन स्टेशन वन प्रोडक्ट का शुभारंभ होगा। यात्रियों को एक अनोखा भोजन माहौल प्रदान करने के लिए आठ रेलवे कोच रेस्टोरेंट का भी शुभारंभ किया जाएगा। सीनियर डीसीएम ने बताया कि कटिहार रेलमंडल में चार नये गुड्स शेड टर्मिनल की क्षमता भी बढ़ाई जाएगी। रेलवे स्टेशनों पर आने वाले यात्रियों की सुविधा बढ़ाने के प्रयास में कटिहार रेलवे स्टेशन परिसर में प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र का भी शुभारंभ प्रधानमंत्री मोदी करेंगे।

मैं खुद या बेटा ओसामा निर्दलीय लड़ेंगे चुनाव: हिना शहाब

बीएनएम@पटना

पटना। सीवान के पूर्व सांसद मो. शहाबुद्दीन की पत्नी हिना शहाब ने खुद या अपने बेटे ओसामा को सीवान से लोकसभा का चुनाव लड़ने का ऐलान किया है। रविवार को सीवान में एक कार्यक्रम में शामिल होने पहुंची हिना शहाब ने पत्रकारों के सवाल का जवाब देते हुए कहा कि उन्हें राजद से ना तो पहले कोई नाराजगी थी और ना ही अब है। आज भी सभी दलों के लोग संपर्क में हैं। हिना शहाब ने कहा कि सीवान की जनता उनका परिवार है। राजनीति दलों की बात करे तो वो चाहे जदयू हो, राजद हो या अन्य कोई दल हो आज भी उनका सभी दलों के साथ अच्छा संबंध हैं। उन्होंने कहा दल तो बाद में हुआ, पहले पूरा सीवान एक परिवार था। उन्होंने कहा सीवान से वह खुद या उनका बेटा ओसामा शहाब निर्दलीय चुनाव लड़ेंगे। पत्रकारों के सवाल पर कि क्या इस बार आपकी लड़ाई राजद से भी होंगी क्योंकि आप पहले तीन बार राजद से चुनाव लड़ चुकी है। हिना शहाब ने कहा कि, बिल्कुल नहीं, सभी लोग हमारे साथ होंगे मुझे पूरी उम्मीद है। सभी मेरे परिवार के लोग हैं।

1.80 किमी ब्रिज का पीएम करेंगे उद्घाटन

बीएनएम@अररिया

अररिया। अररिया सांसद प्रदीप कुमार सिंह ने विगत वर्ष अररिया में जोगबनी से फारबिसगंज रेलवे लाईन के ऊपर एनएच-327ई पर रेलवे ओवर निर्माण की मांग को लेकर सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात की थी और मामले को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र भी लिखा था। सोमवार को प्रधानमंत्री मोदी ऑनलाईन माध्यम से एनएच-327ई पर बने 1.80 किमी ब्रिज का शुभारंभ करेंगे। अररिया जिला को मिल रहे इस सौगात से अररिया सांसद ने खुशी जाहिर करते हुए माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी व रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव के प्रति आभार व्यक्त किया है।

उल्लेखनीय हो कि परिवहन मंत्री, रेल मंत्री व प्रधानमंत्री के सहयोग से और सांसद प्रदीप कुमार सिंह के प्रयास से बीते 15 जनवरी को 45.60 करोड़ रूपये की लागत से जोगबनी से फारबिसगंज रेल लाईन पर बने ब्रिज का निर्माण पूर्ण हो चुका है। 1.80 किमी लंबे इस ब्रिज का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 11 मार्च को ऑनलाईन माध्यम से करेंगे।

सांसद प्रदीप कुमार सिंह ने कहा कि इस रेलवे लाईन के ऊपर बने ओवर ब्रिज चालू हो जाने से एनएच 327ई पर रेलवे फाटक की वजह से होने वाली जाम से लोगों को निजात और शहर के लोगों को भीड़ से होने वाली परेशानियों से राहत मिलेगा। इस रेलवे ओवर ब्रिज से रेलवे लाईन क्रॉसिंग के दौरान होने वाली घटना को रोकना असरदार साबित होगा। वही सांसद ने कहा कि हमारा हमेशा से प्रयास रहा है की अपना अररिया एक विकसित जिला बनें और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हमेशा विकसित भारत निर्माण के साथ, हमारे विकसित अररिया के संकल्पित सोच को पूरा करने की दिशा मे तेजी से एक के बाद एक अररिया को सौगात दे रहे है।

चोरमा कोठी बाजार से नोनफरवा तक बनने वाली सड़क पर सियासत

बीएनएम@अभिराम कुमार

कोठी बाजार पर राणा रणधीर सिंह तो नोनफरवा चौक पर लालबाबू प्रसाद गुप्ता ने किया शिलान्यास

पताही । लोकसभा चुनाव के मद्देनजर सभी विधायक, नेताओं में शिलान्यास और उद्घाटन की होड़ मची हुई है । हद तो तब हो गई जब पकड़ीदयाल के चोरमा कोठी बाजार से पताही के नोनफरवा चौक तक बन रही एक ही सड़क का शिलान्यास करने अलग अलग स्थानों पर दो दो विधायक पहुंच गए और शिलान्यास के साथ साथ अपनी पार्टी की खूब तारीफ की । दोनो ही जगह आयोजित कार्यक्रम में शिवहर सांसद रमा देवी भाग ली। बता दे कि चोरमा कोठी बाजार से पताही के नोनफरवा चौक तक प्रधानमंत्री सड़क योजना फेज 3 के तहत 31 करोड़ 35 लाख रुपए की लागत से 19 किलोमीटर बनने वाली सड़क में चोरमा कोठी बाजार स्थित शिवहर सांसद रामा देवी, मधुबन भाजपा विधायक राणा रणधीर सिंह तो पताही के नोनफरवा चौक पर शिवहर सांसद रामा देवी, चिरैया भाजपा विधायक लालबाबू प्रसाद गुप्ता, संवेदक मुकेश कुमार सिंह, इंजीनियर संजय कुमार सिंह, धीरेंद्र सिंह ने संयुक्त रुप से नारियल फोड़ कर एवं फीता काटकर शिलान्यास किया। इस अवसर पर ग्रामीणों द्वारा शिलान्य स्थल पर समारोह भी आयोजित किया गया। आयोजित समारोह की अध्यक्षता भाजपा मंडल अध्यक्ष टुनटुन सिंह ने की तथा संचालन ध्रुव लाल माझी ने किया। समारोह को संबोधित करते हुए भाजपा विधायक लालबाबू प्रसाद गुप्ता ने कहा कि एनडीए की सरकार में विकास की गति काफी रफ्तार से चल पड़ी है। आज मैं तकरीबन 43 करोड़ की लागत से बनने वाली दो पुल एवं एक सड़क का शिलान्यास किया हूं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सहयोग से चिरैया विधानसभा क्षेत्र विकास के रहा पर है। वहीं उन्होंने कहा कि बेलाही राम पंचायत स्थित पुल निर्माण कार्य की मांग ग्रामीणों द्वारा वर्षों से होता आ रहा था। 2017 में प्रलयकारी बाढ़ में पुल बहने के बाद आज तक किसी भी जनप्रतिनिधि द्वारा पुल निर्माण कार्य की ओर पहल नहीं की गई थी। एवं पताही से शिवहर जाने वाली मुख्य सड़क में कोदरिया स्थित लोहिया पुल जर्जर हो चुका था। आने जाने वाले राहगीरों को डर बना रहता था कि पुल कभी भी क्षतिग्रस्त हो सकता है। जिसको देखते हुए मेरे अथक प्रयास के बाद पुल निर्माण कार्य संभव हो सका है।

NEWS IN BRIEF

बेलाही राम ग्राम में लगभग 5 करोड़ 10 लाख की लागत से बनने वाली आरसीसी पुल का शिलान्यास

उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क संपर्क योजना के तहत पताही प्रखंड के नोनफरबा ढांगर टोली चौक से बखड़ी, पताही, शेखपुरवा होते हुए चोरमा कोठी तक बनने वाली पक्की सड़क एवं पताही प्रखंड मुख्यालय से शिवहर जोड़ने वाली मुख्य सड़क कोदरिया में लगभग 6.70 लाख की लागत से बनने वाली आरसीसी पुल निर्माण कार्य एव प्रखंड मुख्यालय से फेनहरा कालू पाकड़ जाने वाली मुख्य सड़क में बेलाही राम ग्राम में लगभग 5 करोड़ 10 लाख की लागत से बनने वाली आरसीसी पुल का शिलान्यास किया गया है। उन्होंने ने कहा कि उनके अथक प्रयास से जनता का यह सपना पूरा हो पाया है। यह दोनों पुल निर्माण कार्य हो जाने से प्रखंड क्षेत्र एवं सीमावर्ती जिला शिवहर से आने जाने वाले लोगों को कम दूरी तय करना पड़ेगा।

तकरीबन 43 करोड़ की लागत से सड़क व पुल का निर्माण किया जाएगा

वहीं चोरमा कोठी चौक से भाया पताही, बखरी होते हुए नोनफरवा ढांगर टोली चौक तक होने वाली सड़क निर्माण से भी बड़ी संख्या में लोगों को लाभ प्राप्त होगा। और आने-जाने में सुविधा होगी। यह दोनों पुल एवं सड़क निर्माण कार्य तकरीबन 43 करोड़ की लागत से सड़क व पुल का निर्माण किया जाएगा जो जनहित के लिए बहुत जरूरी था। मौके पर संजीव कुमार सिंह उर्फ लल्लू सिंह, पताही पूर्वी के मुखिया सह भाजपा किसान प्रकोष्ठ के अध्यक्ष कृष्ण मोहन सिंह, मुखिया सुनील कुमार, मुखिया बालेश्वर बैठा, उत्तर बिहार कंस्ट्रक्शन के संवेदक इंजीनियर संजय कुमार सहित भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

केसरिया में आयोजित होगा सामूहिक विवाह समारोह

बीएनएम@केसरिया

केसरिया। एक बार फिर केसरिया में सामूहिक विवाह का आयोजन किया जाएगा। इसमें 11 जोड़े वर-वधु की धूमधाम से शादी करायी जाएगी। हालांकि इस आयोजन की तिथि निर्धारित नहीं की गई है। संभावना है कि इसका आयोजन इसी वर्ष अप्रैल माह में किया जाएगा। इसकी तैयारी को लेकर रविवार को आर्य समाज मंदिर परिसर में भोजपुरी विकास मंच की बैठक आयोजित की गई। बैठक में मंच द्वारा वर्ष 2019 में आयोजित सामूहिक विवाह समारोह सहित मंच के अन्य कार्यों की समीक्षा की गई। संबोधित करते हुए मंच के अध्यक्ष रामकुमार गिरी ने कहा कि सामूहिक विवाह सामूहिक प्रयास व सहयोग से संभव है। जिसके लिए समाज के प्रबुद्धजनों को आगे आना होगा। उन्होंने कहा कि सामूहिक विवाह समारोह सरकार की दहेजमुक्त विवाह के नारों को और बुलंद करेगी।

होली की जश्न मानने की तैयारी पर उत्पाद पुलिस ने फेरा पानी

बीएनएम@अरेराज

अरेराज। अरेराज उत्पाद थाना के द्वारा गुप्त सूचना मिलते ही तुरंत छापेमारी किया गया।वहीं शराब कारोबारी जैसे ही उत्पाद पुलिस को देखते ही तुरंत अपना बोलोरो गाड़ी और मोटरसाइकिल से भागने लगे।लेकिन उत्पाद पुलिस के काफी प्रयास के बाद हरसिद्धि थाना क्षेत्र के सरेया खुर्द गावं से बलोरो और दो बाइक को पकड लिया गया।जाचं करने के बाद गाड़ी से लगभग बीस कार्टून बिदेशी शराब जप्त किया गया और उत्पाद पुलिस ने चार कारोबारी को भी गिरफ्तार कर लिया गया। कारोबारी से पूछताछ किया गया तो चारों कारोबारी हरसिद्धि थाना क्षेत्र के अलग-अलग गांव के है।वही अरेराज उत्पाद पुलिस का चर्चा हॉट बाजार चौक चौराहे पर तेजी से चल रहा है कि जब से थाना का कमान अरविंद कुमार संभाले हैं जब से शराब कारोबारी के ऊपर शिकंजा करते हुए नजर आ रहे हैं।वहीं अरेराज उत्पाद थाना अध्यक्ष अरविंद कुमार ने बताएं की बोलोरो और बाइक को जप्त करते हुए चारो कारोबारी के ऊपर करवाई करते हुए जेल भेज दिया गया। मौके पर सब इंस्पेक्टर मुकेश कुमार, राज कुमार, दरोगा अजय कुमार, सिपाही सुरेश पासवान, सरिता कुमारी एवं दर्जन महिला पुरुष पुलिस बल मौजूद थे।

आग से लाखों कीं संपत्ति जल कर हुई खाक

बीएनएम@हरसिद्धि

हरसिद्धि। थाना क्षेत्र के भादा पंचायत के वार्ड नंबर तीन के पैठानपटी गांव में रविवार के दिन अंचानक आग लग गई जिसमें दो घर सहित लगभग लाखों कीं संपत्ति जल कर राख हो गई है। स्थानीय सरपंच तेजामुल खान ने बताया कि दोपहर के समय मनु साह और शिवपुजन साह के घर अचानक आग लग गया जिसमें दो घर सहित घर सहित सभी समान जल कर राख हो गया आग इतना भयानक हो गया की स्थानीय प्रशासन को इसकी जानकारी दी गई मौके पर फायर ब्रिगेड की गाड़ी ने आग पर काबू पाया। मौके पर भादा पंचायत के मुखिया अजय सहनी ने पीड़ित परिवार से मिलकर संतावना देते हुए बताया कि तत्काल सहायता राशि जल्द से जल्द अग्नि पीड़ित परिवारों को मिलेगा। वही मौके पर पूर्व मुखिया विशम्भर तिवारी, पैक्स अध्यक्ष मन्टु तिवारी, वार्ड सदस्य रमेश राम, चौकीदार तपसीर आलम खान, समाजसेवी भरत दुबे, शाहबाज खान, शाहिद खान, दर्जनो लोंग मौजूद थे।

बिजली चोरी मामलें में 70 पर प्राथमिकी

बीएनएम@रक्सौल

300 बकायेदारों का कटा बिजली कनेक्शन

रक्सौल । राजस्व के मामले में किसी भी स्तर पर लापरवाही कत्तई बर्दाश्त नहीं होगी। राजस्व वसूली को लेकर विद्युत विभाग खासे संजीदा है, इसके लिए माइक्रो लेबल पर मॉनिटरिंग जारी है। जिसके तहत निरंतर अभियान चलाकर ग्राउंड लेबल पर बकायेदारों को चिन्हित कर राशि वसूली के लिए कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। ये बातें नव पदस्थापित विद्युत कार्यपालक अभियंता अजय कुमार ने रविवार को अपने अधीनस्थ सभी कर्मचारियों एवं पदाधिकारियों से रेवेन्यू समीक्षा के दौरान कही। उन्होंने विद्युत विभाग के पदाधिकारियों एवं कर्मियों को हड़काते हुए कहा कि विभागीय स्तर पर मार्च माह एक तरह से महापर्व होता है, इसमें सक्रिय रूप से सबकी सहभागिता अनिवार्य है। बताया गया कि चालू माह में डिवीजन अंतर्गत रक्सौल एवं घोडासहन सबडिवीजन के सभी सेक्सनों में चिन्हित करीब तीन सौ डिफॉल्टरों की लाइने काटी गई है। वहीं अब तक डेढ़ हजार बड़े बकायेदारों को लाल नोटिस भी निर्गत कर राशि वसूली के लिए आवश्यक प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इधर अब तक विभिन्न सेक्सनो में बिजली चोरी के विरुद्ध अभियान चलाकर 70 लोगों पर विभिन्न थानों में एफ आई आर दर्ज कराई गई है। बताया गया है कि रक्सौल में 80,रामगढ़वा 42,आदापुर 33 घोड़ासहन 11 छौरादानों 23,बनकटवा 28, नरकटिया 12, नकरदेई 10, श्यामपुर 18, चैनिया चौक 13 सहित लक्ष्मीपुर में 30 सहित विभिन्न चिन्हित जगहों पर बड़े बकायेदारों की लाइने काट दी गई हैं । फिलहाल सभी सेक्सनो में अलग अलग टीमें गठित कर राजस्व वसूली में तेजी भी लाई गई है। विभाग के इस सख्ती से बकायेदारों एवं चोरी से बिजली जलाने वालों में हड़कंप व्याप्त हो गया है।

टाटा संस का कर्ज 8 साल में घटकर 5,656 करोड़ रह गया

- सेमीकंडक्टर, ईवी बैटरी और नए डिजिटल उद्यमों को मिल रहा दम

मुंबई ।

चालू वित्त वर्ष के पहले 10 महीने के दौरान टाटा संस का कर्ज घटकर 5,656 करोड़ रुपये रह गया और इस दौरान उसकी नगदी बढ़कर 9,516 करोड़ रुपये हो गई। कैपिटालाइन के आंकड़ों के अनुसार 8 साल पहले वित्त वर्ष 2016 में टाटा संस पर 5,132 करोड़ रुपये का कर्ज था। चालू वित्त वर्ष के पहले 10 महीनों में कंपनी पर सकल कर्ज घटकर 15,173 करोड़ रुपये रह गया, जो वित्त वर्ष 2019 में 31,363 करोड़ रुपये तक पहुंच चुका था। जानकारों ने कहा कि कंपनी का कर्ज कम होने से टाटा संस को सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रिक वाहनों की बैटरी तथा विमानन और नए डिजिटल उद्यमों में निवेश करने में मदद मिली है। बैंकिंग सूत्रों के अनुसार चालू वित्त वर्ष में टाटा संस के शुद्ध कर्ज में कमी का मतलब है कि कंपनी जल्द ही कर्ज मुक्त हो जाएगी क्योंकि उसकी घाटे वाली इकाई टाटा टेलीसर्विसेज में निवेश घटा है और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज जैसी सहायक इकाइयों से लाभांश, पुनर्खरीद में उल्लेखनीय इजाफा हुआ है। मामले की जानकारी रखने वाले सूत्र ने बताया कि बीते 6 साल में टाटा संस की नकदी का बड़ा हिस्सा टाटा टेली में झोंका जा रहा था। मगर अब टाटा टेली

ने बैंक का कर्ज और केंद्र सरकार का 60,000 करोड़ रुपये का बकाया चुका दिया है। 2जी स्पेक्ट्रम पर सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के बाद कई दूरसंचार कंपनियों ने दिवालिया आवेदन किया था मगर टाटा संस ने टाटा टेली का पिछले 5 साल का सारा कर्ज चुका दिया। इस बारे में जानकारी के लिए टाटा संस को ईमेल भेजा गया लेकिन खबर लिखे जाने तक जवाब नहीं आया।

अगले हफ्ते आएगा केपी ग्रीन इंजीनियरिंग का आईपीओ

कंपनी ने साल 2016 में 6.44 करोड़ रुपये जुटाए थे

नई दिल्ली ।

स्टील के उत्पाद बनाने वाली कंपनी केपी ग्रीन इंजीनियरिंग लिमिटेड 15 मार्च को अपना आईपीओ लांच करने के लिए तैयार है। इसके लिए कंपनी ने प्राइस बैंड भी तय कर दिया है। केपी ग्रीन इंजीनियरिंग, केपी एनर्जी के बाद केपी समूह की तीसरी पेशकश है, कंपनी ने साल 2016 में 6.44 करोड़ रुपये जुटाए थे और केपीआई ग्लोबल इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड जिसने 2019 में 39.94 करोड़ रुपये जुटाए थे। केपी ग्रीन इंजीनियरिंग आईपीओ एक एसएमई आईपीओ है जो 15 मार्च को सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा और 19 मार्च को बंद होगा। आईपीओ अलॉटमेंट 20 मार्च को होने की उम्मीद है। कंपनी के शेयरों को अस्थायी लिस्टिंग तिथि के साथ बीएसई एसएमई पर 22 मार्च को लिस्ट किया जाएगा। कंपनी की योजना बुक-बिल्ट इश्यू के जरिए प्राथमिक बाजार से 189.50 करोड़ जुटाने की है, जिसमें 1.31 करोड़ इक्विटी शेयरों का ताजा इश्यू शामिल है। केपी ग्रीन आईपीओ का मूल्य दायरा 137 से 144 प्रति शेयर निर्धारित किया गया है। आईपीओ लॉट का आकार 1,000 शेयर है और खुदरा निवेशकों के लिए न्यूनतम निवेश राशि 144,000 है। बीलाइन कैपिटल एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड केपी ग्रीन इंजीनियरिंग आईपीओ का बुक-रनिंग लीड मैनेजर है, जबकि बिगशेयर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड आईपीओ रजिस्ट्रार है। केपी ग्रीन इंजीनियरिंग को जुलाई 2001 में बनाया गया था और यह फैब्रिकेटेड और हॉट-डिप गैल्वेनाइज्ड स्टील उत्पादों का निर्माता है। कंपनी के उत्पाद पोर्टफोलियो में लैटिस टावर्स स्ट्रक्चर्स, सबस्टेशन स्ट्रक्चर्स, सोलर मॉड्यूल माउंटिंग स्ट्रक्चर्स, केबल ट्रे, अर्थिंग स्ट्रिप्स, बीम क्रैश बैरियर्स शामिल हैं। यह कस्टम-निर्मित समाधानों के लिए इन-हाउस फैब्रिकेशन और हॉट डिप गैल्वनाइजिंग सुविधाएं प्रदान करके एंड-टू-एंड समाधान उपलब्ध कराता है। वित्तीय वर्ष 2022-2023 में, केपी ग्रीन इंजीनियरिंग ने 114.21 करोड़ के राजस्व पर 12.40 करोड़ का मुनाफा दर्ज किया। सितंबर 2023 को समाप्त अवधि में कंपनी का मुनाफा 11.26 करोड़ और राजस्व 104.13 करोड़ था।

इंडिगो में 5 फीसदी हिस्सेदारी बेच सकते हैं गंगवाल

नई दिल्ली ।

एयरलाइन कंपनी इंडिगो के को-फाउंडर राकेश गंगवाल इसकी पेरेंट कंपनी इंटरग्लोब एविएशन में 5 फीसदी से ज्यादा की हिस्सेदारी बेचने पर विचार कर रहे हैं। सूत्रों के हवाले से पता चला है कि राकेश गंगवाल इंटरग्लोब एविएशन में 5.8 फीसदी की अपनी हिस्सेदारी बेच सकते हैं। हालांकि इससे पहले ये जानकारी सामने आई थी कि गंगवाल केवल 3.3 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचने की योजना बना रहे हैं। लेकिन अब की ताजा रिपोर्ट के अनुसार 5.8 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचने के पीछे कारण फंड जुटाना है।

राकेश गंगवाल इस हिस्सेदारी की बिक्री से करीब 6,600 करोड़ रुपये जुटाना चाहते हैं। इस बिक्री की डिटेल्स के बारें में बात करें तो इसके लिए फ्लोर प्राइस 2,925 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। गंगवाल और उनके परिवार के ट्रस्ट के पास सामूहिक रूप से इंटरग्लोब का करीब 25 प्रतिशत हिस्सा है। फरवरी 2022 में अपने इस्तीफे के बाद से इंटरग्लोब एविएशन में गंगवाल परिवार ने हिस्सेदारी कम करना शुरू किया था। उसी समय गंगवाल परिवार ने 4 प्रतिशत हिस्सेदारी 2,900 करोड़ रुपये में बेची थी इसके बाद सितंबर महीने में भी 2.8 प्रतिशत हिस्सेदारी बेची गई। इसके बाद अगस्त 2023 में हुई एक और ब्लॉक डील में भी गंगवाल ने 45 करोड़ डॉलर के शेयर बेचे थे। विमानन दिग्गज इंडिगो ने दिसंबर, 2023 को समाप्त तिमाही के नतीजो के अनुसार कंपनी ने 2,998 करोड़ का मुनाफा कमाया, जबकि एक साल पहले की अवधि में यह 1,418 करोड़ रुपये था। इस बीच परिचालन से राजस्व बढ़कर 19,452 करोड़ हो गया। हवाई यात्रा के लिए मजबूत मांग से कंपनी का मुनाफा बढ़ा है। कम लागत वाली विमानन कंपनी इंडिगो के पास 358 विमानों का भारत का सबसे बड़ा एयरलाइन बेड़ा है और इसकी बाजार हिस्सेदारी 62 फीसदी से अधिक है।

आइल गैस का आईपीओ 11 मार्च को आएगा

मुंबई ।

आईपीओ का बाजार इस साल भी गुलजार दिखाई दे रहा है। साल 2024 के दो महीनों में कई कंपनियों के आईपीओ बाजार में आ चुके हैं। एक और एसएमई आईपीओ अगले हफ्ते आने को तैयार है। आईपीओ 11 मार्च से ही सब्सक्रिप्शन के खुलेगा प्रथम ईपीसी प्रोजेक्ट्स का आईपीओ। कंपनी ने पब्लिक ऑफर के लिए प्राइस बैंड की घोषणा कर दी है। प्रथम ईपीसी प्रोजेक्ट्स आईपीओ का मूल्य दायरा 71 से 75 प्रति शेयर तय किया गया है। मूल्य दायरे के ऊपरी स्तर पर कंपनी ऑफर से ₹36 करोड़ जुटाने की योजना बना रही है जो पूरी तरह से 48 लाख इक्विटी शेयरों का एक ताज़ा इश्यू है। प्रथम ईपीसी प्रोजेक्ट्स आईपीओ का लॉट साइज 1,600 शेयर है और खुदरा निवेशकों के लिए आवश्यक न्यूनतम निवेश राशि 120,000 है। कंपनी मशीनरी की खरीद, कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं को पूरा करने और सामान्य कॉर्पोरेट

उद्देश्यों के लिए ताजा निर्गम आय का उपयोग करने की योजना बना रही है।

प्रथम ईपीसी प्रोजेक्ट्स आईपीओ अलॉटमेंट 14 मार्च को होने की उम्मीद है, जबकि प्रथम ईपीसी प्रोजेक्ट्स के इक्विटी शेयर 18 मार्च, 2024 की अस्थायी लिस्टिंग डेट के साथ एनएसई एसएमई पर लिस्ट होंगे।

भारत में शादियों के मौसम में घट सकती है सोने की मांग

नई दिल्ली ।

कमोडिटी बाजार के जानकारों और कारोबो रियों का कहना है कि वैश्विक स्तर पर सोने की कीमतों के रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचने से भारत में शादी के मौसम के दौरान खपत कम हो सकती है लेकिन दूसरी तरफ दुनिया में सोने के सबसे बड़े खरीदार चीन में इस साल सोने की मांग में मजबूती बनी रहने की संभावना जताई जा रही है। इससे सोने के भाव को बल मिल सकता है। बता दें कि कुल वैश्विक सोने की मांग में चीन और भारत की हिस्सेदारी आधे से ज्यादा है। सोने की बेंचमार्क स्पॉट कीमतें हाल ही में 2,164.09 डॉलर प्रति औंस के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गईं थी। बाजार के जानकारों का कहना है कि अमेरिका में ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद मजबूत होने से सोने में तेजी आई है।

बता दें की ब्याज दरों में कटौती से ट्रेजरी बॉन्ड और डॉलर जैसे एसेट क्लॉस का कीमतों में कमी आती है। वहीं जीरो यील्ड पेपर ग्लोड जैसे एसेट्स की अपील बढ़ने से सोने की कीमतों में तेजी आती है।

दुनिया के दूसरे सबसे बड़े सोने के उपभोक्ता और एक बड़े आयातक भारत में सोने घरेलू कीमतें बढ़कर रिकॉर्ड 65,587 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गई हैं। कीमतों में बढ़त के कारण सोने की मांग में गिरावट आई है। जिसके कारण डीलरों को आधिकारिक घरेलू कीमतों पर लगभग 14 डॉलर प्रति औंस की छूट देने का कदम उठाना पड़ा है। इसमें 15 फीसदी आयात और 3 फीसदी बिक्री शुल्क शामिल है। जबकि पिछले सप्ताह सोना 1 डॉलर प्रति औंस प्रीमियम पर था। कारोबो रियों का कहना है कि उपभोक्ता मौजूदा भाव पर सोने से दूर ही रहेंगे। अगर कीमतें इतनी ज्यादा रहीं तो यह मौजूदा शादियों के मौसम के दौरान मांग पर निगेटिव असर पड़ेगा।

चेट जीपीटी के सीईओ सैम कंपनी के बोर्ड में फिर से शामिल होंगे

नई दिल्ली । चेट जीपीटी बनाने वाली कंपनी के सीईओ सैम ऑल्टमैट अब कंपनी के बोर्ड में फिर से शामिल होंगे। बता दें कि नवंबर में सीईओ सैम ऑल्टमैन को कुछ समय के लिए बर्खास्त किया गया था, जिसके बाद कंपनी ने एक आंतरिक जांच बैठाई जिसमें ये सामने आया कि ऑल्टमैन की बर्खास्तगी गलत तरीकों से हुई है। इसी के बाद कंपनी ने सैम के नेतृत्व में अपना पूरा भरोसा दिखाते हुए उनका पद बहाल किया गया और अब कंपनी ने अपने निदेशक मंडल में सैम को बहाल कर दिया है। कंपनी ने उथल-पुथल के बाद मैनेजनेंट को मजबूत करने के उद्देश्य से 3 महिला निदेशकों सू डेसमंड-हेलमैन, निकोल सेलिगमैन, फिडजी सिमो को भी बोर्ड में जोड़ा है। इस बारे में साल्टमैन ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा` कि हमारे नए बोर्ड सदस्यों फिदजी सिमो, सू डेसमंड-हेलमैन और निकोल सेलिगमैन का स्वागत करते हुए और ब्रेट, लैरी और एडम के साथ काम करना जारी रखते हुए मुझे बहुत खुशी हो रही है। कंपनी के कहा कि आंतरिक उथल-पुथल के बावजूद, ओपनएआई आर्टिफिशयल इंटेलिजेंस के विकसित को लेकर प्रतिबद्ध है।

बिटकॉइन पहली बार 70,000 डॉलर के पार

मुंबई । दुनिया की सबसे पुरानी और लोकप्रिय क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन पिछले कुछ समय से लगातार नई-नई ऊंचाई छू रही है। अब बिटकॉइन ने रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच कर इतिहास रच दिया है। बिटकॉइन ने पहली बार 70 हजार डॉलर का आंकड़ा पार कर लिया है। अमेरिकी स्पॉट एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) की लॉन्चिंग के बाद से ही बिटकॉइन की कीमतों ने तेजी पकड़ ली है। साल 2024 में बिटकॉइन की कीमत 50 फीसदी बढ़ी है। दुनिया की तमाम प्रमुख वर्चुअल करेंसीज में इजाफा देखने को मिल रहा है। बिटकॉइन के दाम शुक्रवार देर शाम 70 हजार डॉलर के पार चले गए हैं। कारोबारी सत्र के दौरान बिटकॉइन की कीमत 70,136.33 डॉलर के साथ रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। वैसे बीते 24 घंटे के अंदर बिटकॉइन के दाम 66,238.45 डॉलर पर भी पहुंचे। फिलहाल शनिवार को बिटकॉइन की कीमत 0.09 फीसदी की तेजी के साथ 68,390.23 डॉलर पर कारोबार कर रही है। जानकारों की मानें तो आने वाले दिनों में बिटकॉइन की कीमत में और भी इजाफा देखने को मिलेगा।

दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल उत्पादक बना भारत

नई दिल्ली । इंडिया सेल्युलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन (आईसीईए) की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल उत्पादक बन गया है। रिपोर्ट के मुताबिक भारत ने 10 सालों के दौरान 4.1 लाख करोड़ रुपये के कुल 2.45 अरब मोबाइल फोन बनाए। वहीं अगर करीब दस साल पहले के आंकड़ों पर नजर डालें तो साल 2014-15 में यह आंकड़ा महज 18,900 करोड़ रुपये था। बता दें कि इंडिया सेल्युलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन, एपल, शाओमी, ओप्पो, वीवो, लावा आदि कंपनियों का प्रतिनिधित्व करता है। एसोसिएशन का कहना है कि भारत का यह सेक्टर आज से दस साल पहले यानी 2014 में जहां 78 फीसदी आयात पर निर्भर था, वहीं अब यह फिलहाल 97 फीसदी तक आत्मनिर्भर हो गया है। इंडस्ट्री ने अगले 10 वर्षों में 20 लाख करोड़ का लक्ष्य तय किया था और 19.45 लाख करोड़ के कुल उत्पादन का लक्ष्य हासिल किया। वित्त वर्ष 2014-15 में भारत से मोबाइल फोन का निर्यात सिर्फ 1,556 करोड़ रुपये था। मोबाइल इंडस्ट्री को वित्त वर्ष 2024 में यह अनुमान बढ़कर 1.2 लाख करोड़ हो जाने की उम्मीद है यानी एक दशक में इसमें 7500 फीसदी की बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है।

बीते सप्ताह सेंसेक्स और निफ्टी में तेजी रही

मुंबई ।

बीते सप्ताह के कम कारोबारी दिनों में घरेलू शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव भरा कारोबार देखा गया। बाजार के जानकारों का कहना है कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष जेरोम पॉवेल के इस वर्ष ब्याज दर में कटौती किए जाने के आश्वासन से विश्व बाजार में आई गिरावट के बावजूद स्थानीय स्तर पर कमोडिटीज, एफएमसीजी, कैपिटल गुड्स और धातु समेत पंद्रह समूहों में हुई लिवाली की बदौलत शुक्रवार को सेंसेक्स और निफ्टी में तेजी देखी गई। बीते सप्ताह महो शिवरात्रि के अवसर पर 08 मार्च को शेयर बाजार बंद रहे। जिसकी वजह से शेयर बाजार में केवल चार दिन ही कारोबार हुआ। शेयर बाजार मे चार दिनों के कारोबार में तीन दिन गिरावट और दो दिन तेजी रही। सोमवार को बीएसई सेंसेक्स 120 अंक बढ़कर 73,927 पर खुला और 66 अंकों की बढ़त के साथ 73,872 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 70 अंक की बढ़त के साथ 22,408 पर खुला और अंक (0.12त्न) की बढ़त के साथ 22,405 के स्तर पर बंद हुआ। वित्तीय, ऊर्जा और आईटी शेयरों के टूटने से मंगलवार को बीएसई सेंसेक्स 227 अंक की गिरावट के साथ 73,644 पर खुला और 0.26 प्रतिशत टूटकर 73,677.13 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी50 75 अंक की गिरावट के साथ 22,330 पर खुला और 49.30 अंक कमजोर होकर 22,356.30 पर बंद हुआ। शेयर बाजार में बुधवार के कारोबारी सेशन की शुरुआत कमजोरी के साथ हुई। सेंसेक्स 210 अंकों की गिरावट के साथ 73,466 पर खुला और 408.86 अंकों की बढ़त के साथ 74,085.99 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 56 अंक फिसलकर 22,300 के स्तर पर खुला और 117.75 अंक उछलकर 22,474.05 की रिकॉर्ड ऊंचाई पर बंद हुआ। गुरुवार को सेंसेक्स 82.35 अंकों की गिरावट के साथ 74,048.98 के स्तर पर खुला और 33.40 अंकों की बढ़त के साथ 74,119.39 के स्तर पर बंद हुआ।

निफ्टी 19.65 अंक टूटकर 22,454.40 पर खुला और 19.50 अंक चढ़कर 22,493.55 पर बंद हुआ।

बैंक कर्मचारियों सालाना 17 फीसदी बढ़ेगा वेतन

- हफ्ते में 5 दिन काम करने के प्रस्ताव को मिल सकती है मंजूरी

नई दिल्ली । बैंक कर्मचारियों का वेतन बढ़ने और हफ्ते में 5 दिन काम करने के प्रस्ताव को मंजूरी मिलने का रास्ता खुल गया है। भारतीय बैंक संघ और बैंक कर्मचारी यूनियनों ने 17 प्रतिशत की सालाना वेतन वृद्धि पर सहमति व्यक्त की है, जिससे सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों पर लगभग 8,284 करोड़ रुपये का अतिरिक्त वार्षिक बोझ पड़ेगा। वेतन वृद्धि से लगभग 8 लाख बैंक कर्मचारियों को लाभ होगा, जो नवंबर 2022 से प्रभावी होगा। ऑल इंडिया बैंक ऑफिसर्स कन्फेडरेशन ने कहा कि एक संयुक्त नोट में सरकारी अधिसूचना लंबित होने तक सभी शनिवारों को छुट्टियों के रूप में मान्यता देने पर सहमति व्यक्त की गई है। इसमें कहा गया है कि संशोधित कामकाजी घंटे सरकार की अधिसूचना के बाद प्रभावी होंगे। नए वेतनमान का निर्माण 8088 अंकों के महंगाई भत्ते और उस पर अतिरिक्त भार को मिलाकर किया गया है। नए वेतन समझौते के तहत सभी महिला कर्मचारियों को मेडिकल सर्टिफिकेट दिए बिना प्रति माह एक दिन की बीमारी की छुट्टी लेने की अनुमति होगी। संचित विशेषाधिकार अवकाश को सेवानिवृत्ति के समय/सेवा के दौरान किसी कर्मचारी की मृत्यु पर 255 दिनों तक भुनाया जा सकता है। सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए, इस बात पर सहमति हुई कि मासिक अनुग्रह राशि का भुगतान एसबीआई सहित सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों द्वारा भुगतान की जाने वाली पेंशन/पारिवारिक पेंशन के अतिरिक्त किया जाएगा, उन पेंशनभोगियों और पारिवारिक पेंशनभोगियों को, जो दिनांक या उससे पहले पेंशन प्राप्त करने के पात्र बन गए हैं। 31 अक्टूबर, 2022, जिसमें उक्त तिथि को सेवानिवृत्त हुए लोग भी शामिल हैं।

डीमैट खाते का नहीं करते उपयोग, तो हो सकता है बंद

नई दिल्ली ।

डीमैट खाते का लगातार उपयोग नहीं करने पर आपका अकाउंट निष्क्रिय हो सकता है या फिर आपको खाते के लिए रखरखाव शुल्क देना पड़ सकता है। इस तरह के अनावश्यक खर्चों से बचने के लिए बेहतर है कि अगर आप अपने डीमैट खाते को बंद कर दें। सबसे पहले ये सुनिश्चित करें कि आपके डीमैट खाते में कोई प्रतिभूति या धनराशि शेष नहीं है। बंद करने की प्रक्रिया से पहले आपको अपनी सभी प्रतिभूतियों को बेचने या दूसरे डीमैट खाते में ट्रांसफर करना होगा। उस डीपी से संपर्क करें जिसके पास आपका डीमैट खाता है। डीपी एक बैंक, वित्तीय संस्थान या ब्रोकरेज फर्म हो सकता है। आप उनके संपर्क विवरण अपने खाता विवरण या उनकी वेबसाइट पर पा सकते हैं। अपने डीपी से बंद करने का फॉर्म लें, फॉर्म को सही-सही भरें। इसमें आपका डीमैट खाता नंबर, व्यक्तिगत विवरण और बंद करने के कारण शामिल हैं। इसके साथ आपको कुछ दस्तावेज़ जमा करने की आवश्यकता हो सकती है जैसे

कि आपके पैन कार्ड की एक प्रति, पता प्रमाण और पहचान प्रमाण। यदि आपके डीमैट खाते से जुड़ा कोई बकाया या शुल्क है, तो उसे बंद करने की प्रक्रिया शुरू करने से पहले उसका निपटान करें। डीमैट खाते को बंद करने का सटीक प्रोसेस डीपी और उनकी आवश्यकताओं के आधार पर कुछ अलग हो सकती है। इसलिए, अपने डीमैट खाते को बंद करने पर सटीक निर्देशों और मार्गदर्शन के लिए सीधे अपने डीपी से संपर्क करने की सलाह दी जाती है।

भारत और ईएफटीए के बीच व्यापार समझौते पर होंगे हस्ताक्षर

नई दिल्ली ।

भारत और यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) के चारों सदस्य देशों के बीच रविवार 10 मार्च को व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर होंगे। मामले के एक जानकार ने बताया कि यह अपनी तरह का पहला ऐसा करार होगा जिसमें 15 साल की अवधि के दौरान 100 अरब डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता जताई जाएगी। इस निवेश से भारत में 10 लाख रोजगार के अवसर` मिलेंगे। इस निवेश को हासिल करने के लिए तंत्र और रोडमैप तैयार किया जाएगा। यह प्रतिबद्धता प्रस्तावित व्यापार करार में निवेश अध्याय का हिस्सा हो सकता है और इसके लिए सभवत- अलग से निवेश समझौता नहीं करना पड़ेगा। ईएफटीए राष्ट्रों- आइसलैंड, स्विट्जरलैंड, नॉर्वे और लिकटेंस्टाइन के अधिकारियों का एक दल व्यापार और आर्थिक साझेदारी समझौता पर आधिकारिक तौर पर हस्ताक्षर करने के लिए इस सप्ताहांत दिल्ली पहुंच सकता है। भारत द्वारा किसी यूरोपीय देश या संगठन के साथ किया जाने वाला यह पहला व्यापार करार और पिछले एक दशक में किया गया चौथा व्यापार समझौता होगा। फरवरी 2021 में भारत ने मॉरीशस के साथ मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किया था। उसके बाद संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और ऑस्ट्रेलिया के साथ पिछले साल इसी तरह का समझौता किया गया था।

संपादकीय

भारतीयों के साथ धोखा

भारतीयों का किसी विदेशी जंग में मारा जाना जितना दुखद है, उससे कहीं ज्यादा शर्मनाक है। दुखद इसलिए कि भारतीयों को युद्ध लड़ने के लिए मजबूर किया गया और शर्मनाक इसलिए कि हम भारत से अपने युवाओं के पलायन या विदेश यात्रा की निगरानी ठीक से नहीं कर पा रहे हैं। बहरहाल, केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने देर से ही सही, कदम उठाया है और आकर्षक नौकरियों के बहाने भारतीय युवाओं को रूस-यूक्रेन युद्ध क्षेत्र में भेजने की साजिश में शामिल एक प्रमुख मानव तस्कर नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। सीबीआई ने दिल्ली, तिरुवनंतपुरम, मुंबई, अंबाला, चंडीगढ़, मदुरै और चेन्नई में अनेक ठिकानों पर तलाशी ली है। दरअसल, ऐसे लोगों पर शिकंजा कसना आज समय की बड़ी मांग है। अनेक वीजा सलाहकार कंपनियों और एजेंटों के खिलाफ मामले दर्ज किए गए हैं, तो इन सभी के बारे में लोगों को सब कुछ पता होना चाहिए, ताकि वे सतर्कता बरतें। काश! इन धोखेबाज कंपनियों पर पहले ही शिकंजा कसा जाता, तो आज अनेक युवा असुरक्षा का शिकार होने से बच जाते। सीबीआई की सक्रियता तब सामने आई है, जब विदेशी जंग के मोर्चे पर भारतीयों के मारे जाने की खबर आने लगी है। हैदराबाद के 30 वर्षीय मोहम्मद अफसान के यूक्रेन के साथ चल रहे युद्ध में मारे जाने के बाद खासतौर पर जागरूकता बढ़ी है। अफसान को धोखे से रूसी सेना में शामिल किया गया था। एक सप्ताह पहले सूरत के हामिल मंगुकिया की भी मौत विदेशी मोर्चे पर हुई है। सबसे दुखद बात है कि रूस ने मौत की पुष्टि की है, लेकिन युवक को विदेश भेजने वाला एजेंट अभी भी लोगों को बरगलाने में जुटा है। ऐसे एजेंटों पर प्रशासन अगर पूरी सख्ती से शिकंजा कसे, तो ही लोगों के बीच सही संदेश जाएगा। अफसान और हामिल जैसे युवा सैकड़ों में हो सकते हैं। विगत समय में कई नौजवानों को रूस में मोटी तनख्वाह के साथ रोजगार का झूठा आश्वासन दिया गया है और बताया गया है कि उनके जीवन को कोई खतरा नहीं है। एजेंटों ने इन युवाओं से लाखों रुपये लेकर रूस भेजा है। कथित रूप से वहां इन युवाओं को दो विकल्प दिए गए हैं या तो दस साल की जेल स्वीकार करें या फिर सेना में शामिल हो जाएं। जाहिर है, ज्यादातर युवाओं ने कैद के बजाय सैन्य सेवा को चुना है। एक रिपोर्ट के अनुसार, पंजाब और हरियाणा के रहने वाले सात युवाओं के एक समूह ने भारतीय अधिकारियों से सहायता के लिए गुहार लगाई है। इन नौजवानों का भी आरोप है कि उन्हें रूसी सैन्य सेवा में शामिल करके धोखा दिया गया है। जहां तक भारत सरकार या विदेश मंत्रालय का संबंध है। पिछले महीने ही रूसी सेना में सहायक भूमिकाओं के लिए भारतीय नागरिकों की भर्ती की खबरें सामने आने के बाद विदेश मंत्रालय ने चेतावनी जारी की थी। रूसी अधिकारियों के समक्ष भी मामला उठाया गया था। रूसी अधिकारियों को स्पष्ट संदेश दिया जाना चाहिए कि उनके यहां सेना में भारतीयों का कतई इस्तेमाल न हो। भारत अनेक बार युद्ध की खिलाफत कर चुका है। रूस में अगर जवानों की कमी होने लगी है, तो उसे युद्ध से पीछे हटना चाहिए। किसी भी अन्य देश के जवानों के बल पर युद्ध जारी रखना अनैतिकता, बर्बरता और जघन्य युद्ध अपराध से कम नहीं है। यूक्रेन-रूस युद्ध में शामिल भारतीयों की संख्या भले नगण्य हो, पर विश्व स्तर पर ऐसी किसी भी भर्ती साजिश को नाकाम करने की दिशा में भारत को पुख्ता कोशिशें करनी चाहिए।

छल से युद्ध में बलि

निश्चित रूप से यह तंत्र की विफलता व मानवीय मूल्यों का पराभव है कि कुछ एजेंट बेरोजगार भारतीय युवाओं को सब्जबाग दिखाकर यूक्रेन युद्ध के लिये रूसी सेना में व युद्धरत इस्राइल में तोपों का चारा बना रहे हैं। यूक्रेन युद्ध में कुछ भारतीयों के फंसने व इस्राइल में हिजबुल्लाह के हमले में केरल के एक युवक के मरने की खबर भी आई है। यह कैसी विडंबना है कि भारतीय एजेंट नौकरी के बहाने और अंधेरे में रखकर बेरोजगारों को रूसी सेना के लिये युद्ध में धकेल दें और हमारे नीति-नियंताओं को उसकी भनक भी न लगे। मानवीय मूल्यों के पतन की पराकाष्ठा देखिए, भारत के ही चंद एजेंट विदेशों में बैठे एजेंटों की मदद से चंद रुपयों के लिये भारतीय युवाओं को मौत के मुंह में धकेल रहे हैं। पिछले दिनों हैदराबाद के मोहम्मद असफान के यूक्रेन युद्ध में मरने की खबर आई। कुछ दिन पूर्व भारतीय अधिकारियों ने भी स्वीकार किया कि रूस-यूक्रेन युद्ध में फंसे बीस भारतीय युवाओं को बचाने के प्रयास किये जा रहे हैं। कहा गया कि इस बाबत विदेश मंत्रालय उन्हें भारत लाने का प्रयास कर रहा है। फंसे युवकों ने मास्को स्थित भारतीय दूतावास से बचाने की गुहार लगाई है। इन युवाओं में कुछ युवक पंजाब व हरियाणा के भी हैं। बताया जाता है कि रूस भेजे युवकों को एजेंटों द्वारा अच्छी नौकरी का प्रलोभन दिया गया। लेकिन उन्हें नहीं बताया गया था कि वे सेना में भर्ती होने जा रहे हैं। बताया जाता है कि एक यूट्यूबर द्वारा लगातार दावा किया जा रहा था कि नौकरी में मोटी तनख्वाह दी जाएगी और एक साल बाद उन्हें रूस की नागरिकता दे दी जाएगी। कहा यह भी जा रहा है कि दो साल से जारी रूस-यूक्रेन युद्ध में सैनिकों के संकटों से जूझ रहे रूस द्वारा कुछ भारतीय व विदेशी एजेंटों के मार्फत बेरोजगारों को झांसा देकर रूस ले जाने की योजना बनायी गई। बताया जा रहा है कि बाबा ब्लॉग्स यूट्यूब चैनल ने तमाम ऐसे वीडियो डाले, जिनमें रूसी सेना में सहायक की नौकरी आकर्षक सुविधाओं के साथ देने की बात कही गई थी। यह भी कि एक खाड़ी देश के रास्ते रूस ले जाए गए इन युवाओं से रूसी भाषा में एक एग्रीमेंट पर साइन कराए गए जिसके बाद उन्हें यूक्रेन की सरहद पर भेज दिया गया। उसके बाद उनके घर वालों से भी उनका कोई संपर्क नहीं हो सका। बताते हैं कि पंजाब व हरियाणा के कई युवाओं ने वीडियो अपने रिश्तेदारों को भेजकर मदद की गुहार लगाई है। दरअसल, भारत, दुबई व रूस में बैठे एजेंटों के बीच मिलीभगत से युवा इस जाल में फंसे। खबरें ये भी हैं कि एजेंटों ने युवाओं से नौकरी देने के लिये कई लाख भी वसूले हैं। कुछ युवाओं का कहना था कि टूरिस्ट वीजा पर रूस जाने पर पुलिस ने बिना वीजा के प्रवेश के आरोप में पकड़ लिया और रूसी सेना को सौंप दिया।

अबकी बार, 400 पार के लिए भाजपा के कितने खेवनहार?

लेखक- अशोक भाटिया

भारतीय जनता पार्टी अबकी बार, 400 पार का नारा देकर लोकसभा चुनाव में जाने को तैयार है। उत्तरप्रदेश में राष्ट्रीय लोक दल (आरएलडी), बिहार में जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) जैसे पुराने सहयोगी फिर से एनडीए में वापसी कर चुके हैं तो वहीं तेलगु देशम पार्टी (टीडीपी), बीजू जनता दल (बीजेडी) जैसी पार्टियां भी गठबंधन में वापसी की कगार पर हैं। भाजपा 400 सीटों के टारगेट तक पहुंचने के लिए राज्य दर राज्य अपना और गठबंधन का कुनबा बढ़ाती जा रही है।

सीटें कम हैं, साथी ज्यादा हैं और इस वजह से बिहार से लेकर महाराष्ट्र तक एनडीए के लिए सीट बंटवारा सिरदर्द बन गया है। लोकसभा सीटों के लिहाज से सबसे बड़े राज्य उत्तरप्रदेश में भाजपा के साथ जयंत चौधरी की पार्टी आरएलडी, ओमप्रकाश राजभर की सुभासपा, संजय निषाद की निषाद पार्टी, अनुप्रिया पटेल की अपना दल सोनेलाल गठबंधन में हैं। 80 सीटों वाले उत्तरप्रदेश में चार सहयोगियों को भाजपा ने छह सीटों पर एडजस्ट कर दिया। पार्टी इसी तरह का फॉर्मूला अन्य राज्यों में भी लागू करना चाहती है लेकिन समस्या यह है कि हर राज्य की परिस्थितियां अलग हैं और इस वजह से बिहार और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में पेच फंस रहा है। बिहार में लोकसभा की 40 सीटें हैं और भाजपा समेत एनडीए में छह पार्टियां शामिल हैं। एनडीए में भाजपा के साथ चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास (एलजेपीआर), पशुपति पारस के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय लोकजनशक्ति पार्टी (आरएलजेपी), उपेंद्र कुशवाहा की राष्ट्रीय लोक मोर्चा (आरएलएम), जीतन राम मांझी की हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (हम) और नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली जेडीयू शामिल हैं। अब समस्या यह है कि 2019 के चुनाव में भाजपा के साथ जेडीयू और एलजेपी ही थे। अब पेच यह है कि एलजेपी दो दलों में बंट गई और दोनों दल एनडीए में हैं ही, उपेंद्र कुशवाहा और मांझी की पार्टियां भी एनडीए में आ चुकी हैं।

पशुपति और चिराग, दोनों ही चाचा-भतीजा 2019 के फॉर्मूले पर छह-छह सीटें मांग रहे हैं। पशुपति हाजीपुर सीट छोड़ने को तैयार नहीं हैं तो वहीं चिराग भी इस सीट से अपनी मां रीना पासवान को चुनाव लड़ाना चाहते हैं। उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी काराकट और सीतामढ़ी सीट के लिए दावा कर रही है तो वहीं मांझी की पार्टी अपने लिए गया सीट चाहती है। ये तीनों ही सीटें 2019 के चुनाव में जेडीयू जीती थी। जेडीयू को सीटिंग सीटें छोड़ने के लिए कैसे तैयार किया जाए? सहयोगियों को एडजस्ट करने के बाद भाजपा -जेडीयू के लिए बचेगा क्या?

महाराष्ट्र में भाजपा के साथ एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) का गठबंधन है। शिंदे अपनी पार्टी के लिए 2019 के फॉर्मूले को आधार बनाकर 23 सीटें मांग रहे हैं तो वहीं अजित भी 10 सीटों पर दावेदारी कर रहे हैं। अमित शाह ने हाल ही में मुख्यमंत्री शिंदे और अजित पवार के साथ ही महाराष्ट्र भाजपा के नेताओं के साथ भी बैठक की थी जिसके बाद यह फॉर्मूला सामने आया था कि भाजपा 32, शिंदे की पार्टी 10 और अजित पवार की पार्टी को तीन सीटें मिल सकती हैं। बाकी बची तीन तीन सीटों पर भी शिंदे और अजित पवार की पार्टी के नेताओं को चुनाव लड़ाया जा सकता है।

अब पेच यह है कि पिछले चुनाव में शिवसेना के 18 उम्मीदवार सांसद निर्वाचित हुए थे। इनमें से 13 सांसद शिंदे के साथ आ गए। पांच सांसद उद्धव ठाकरे की पार्टी के साथ ही रह गए। अब पेच यही है कि अगर शिंदे को 10 सीटें ही मिलती हैं तो तीन अन्य सीटिंग सांसदों का क्या होगा? अजित के साथ भी यही समस्या है। अगर वह कम सीटों पर मान जाते हैं तो उनके साथ आए नेता कहीं शरद पवार के पाले में न चले जाएं, एनसीपी को यह आशंका है। इसके ठीक उलट, भाजपा को लगता है कि दोनों ही दल फुल स्ट्रेंथ के साथ नहीं आए हैं। ऐसे में इनको 15 से 18 सीटों पर एडजस्ट कर दिया जाए, जितनी सीटें पिछली बार शिवसेना जीती थी।

आंध्र प्रदेश में भाजपा और टीडीपी में गठबंधन की चर्चा के बीच सीट शेयरिंग फॉर्मूला भी सामने आ गया है। सूबे में लोकसभा की 25 सीटें हैं और टीडीपी पवन कल्याण की जनसेना को पहले ही तीन सीटें दे चुकी है। चंद्रबाबू नायडू ने भाजपा को पांच सीटें ऑफर की हैं। टीडीपी खुद बाकी 17 सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी में है। हालांकि, इसे लेकर अभी आधिकारिक ऐलान नहीं हुआ है।

दूसरी तरफ, ओडिशा में भाजपा अधिक लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ना चाहती है। भाजपा 14 सीटों पर दावा कर रही है लेकिन यहां दिक्कत यह है कि बीजेडी ने 2019 के चुनाव में 12 सीटें जीती थीं। क्या बीजेडी अपनी पांच सीटिंग सीटें भाजपा के लिए छोड़ने और 24 साल से जिस राज्य की सत्ता में है, वहां छोटे भाई की भूमिका स्वीकार करने को तैयार होगी? एनडीए का कुनबा बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार दौरे कर कर रहे है ।5 मार्च को ओडिशा के दौरे पर थे और उसी दिन सूबे के पूर्व मुख्यमंत्री बीजू पटनायक की जयंती भी थी। प्रधानमंत्री ने बीजू बाबू को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए इसे अपना सौभाग्य बताया और लगे हाथ मुख्यमंत्री नवीन पटनायक को अपना मित्र कहकर संबोधित किया, जमकर तारीफ की। इसके बाद से ही यह कयास लगाए जा रहे थे कि क्या नीतीश कुमार की जेडीयू, जयंत चौधरी की आरएलडी के बाद अब बीजू जनता दल (बीजेडी) की भी पुराने गठबंधन में वापसी होने वाली है?

हाल ही में हुए राज्यसभा चुनाव में बीजेडी ने भाजपा उम्मीदवार अश्विनी वैष्णव का समर्थन किया था। इसे नवीन पटनायक की पार्टी की ओर से गठबंधन के लिए भाजपा को सॉफ्ट सिग्नल की तरह देखा गया। प्रधानमंत्री मोदी के हालिया दौरे के दौरान उनकी नवीन पटनायक के साथ दिखी केमिस्ट्री ने इस चर्चा को और हवा दे दी। अब दोनों दलों का गठबंधन तय बताया जा रहा है लेकिन सवाल भी उठ रहे हैं कि 2000 से ही ओडिशा का पावर सेंटर बने रहे नवीन पटनायक को 15 साल बाद अब आखिर फिर से गठबंधन की जरूरत क्यों पड़ रही है?

दरअसल, नवीन पटनायक 2000 से ही ओडिशा के मुख्यमंत्री हैं। भाजपा और कांग्रेस जैसी पार्टियां बीजेडी की 24 साल पुरानी सरकार के खिलाफ एंटी इनकम्बेंसी को वोट के रूप में कैश कराने की कोशिश में हैं। बीजेडी की अंगुली पकड़कर 2009 तक चलती रही भाजपा के लिए ओडिशा में सबसे बड़ा संकट नेतृत्व का था। पार्टी ने रणनीतिक रूप से धर्मेंद्र प्रधान और अश्विनी वैष्णव के रूप में दो मजबूत नेता खड़े किए ही, जुएल ओराम, जय बैजयंत पांडा, मनमोहन सामल जैसे नेताओं को भी आगे किया।

बीजेडी ने साल 2009 के चुनाव से पहले भाजपा से गठबंधन तोड़ने का ऐलान किया था। 2009 में भाजपा को 15.1 फीसदी वोट शेयर के साथ छह सीटों पर जीत मिली थी और तब से अब तक, चुनाव दर चुनाव पार्टी का ग्राफ बढ़ा है। बीजेडी 2009 में 38।9 फीसदी वोट शेयर के साथ 146 सदस्यों वाली विधानसभा में 103 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी लेकिन 2014 और 2019 चुनाव के एक ट्रेंड ने पटनायक की पार्टी की टेंशन बढ़ा दी। भाजपा का ग्राफ चुनाव दर चुनाव चढ़ा है। 2014 और 2019 के ओडिशा चुनाव के आंकड़ों पर गौर करें तो बीजेडी का वोट शेयर बढ़ा जरूर है लेकिन मामूली ही सही, सीटें घटी हैं।

साल 2014 में बीजेडी का वोट शेयर पांच फीसदी इजाफे के साथ 43.9 फीसदी पहुंच गया और 117 सीटें जीतकर पार्टी ने फिर से सरकार बना ली। 26 फीसदी वोट शेयर के साथ 16 सीटें जीतकर कांग्रेस दूसरे और भाजपा 18।2 फीसदी वोट शेयर के साथ 10 सीटें जीतकर तीसरे स्थान पर रही थी। 2014 की हार के बाद भाजपा ने ओडिशा में सक्रियता बढ़ा दी। नतीजा 2019 के विधानसभा और लोकसभा, दोनों ही चुनाव में देखने को भी मिला। भाजपा 32।8 फीसदी वोट शेयर के साथ 23 सीटें जीतकर दूसरी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी और कांग्रेस 16।3 फीसदी वोट के साथ नौ सीटें जीत तीसरे स्थान पर खिसक गई। बीजेडी का वोट शेयर 1।3 फीसदी इजाफे के साथ 45 फीसदी के पार पहुंच गया लेकिन पिछले चुनाव के मुकाबले पांच सीटें कम हो गईं।

बीजेडी ने 2014 के लोकसभा चुनाव में 44.8 फीसदी वोट शेयर के साथ 21 में से 20 सीटें जीती थीं। तब भाजपा 21.9 फीसदी वोट शेयर के साथ एक सीट ही जीत सकी थी। 2019 में बीजेडी का वोट शेयर 43.3 फीसदी पर आ गया और पार्टी को 2014 के मुकाबले आठ सीट का नुकसान उठाना पड़ा वहीं इसके ठीक उलट भाजपा का वोट शेयर बढ़कर 38.9 फीसदी पहुंच गया और पार्टी की सीटें भी एक से बढ़कर आठ हो गईं। तब से अब तक बहुत कुछ बदल चुका है। बीजेडी में नवीन पटनायक के बाद कौन? उत्तराधिकार का सवाल और गहरा हुआ है। (वरिष्ठ स्वतंत्र पत्रकार ,लेखक, समीक्षक एवं टिप्पणीकार लेखक 5 दशक से लेखन कार्य से जुड़े हुए हैं, पत्रकारिता में वसई गौरव अवार्ड से सम्मानित)

राजस्थान में कांग्रेस उतारेगी हैवीवेट प्रत्याशी

(लेखक - रमेश सर्राफ धमोरा)

कांग्रेस पार्टी ने आगामी लोकसभा चुनाव में राजस्थान के लिए अभी किसी प्रत्याशी के नाम की घोषणा नहीं की है। जबकि भाजपा ने 25 में से 15 सीटों पर प्रत्याशियों के नाम की घोषणा कर दी है। कांग्रेस चुनाव समिति की तरफ से अभी तक देश भर में कुल 39 उम्मीदवारों के नाम की घोषणा की गई है। आने वाले एक-दो दिनों में कांग्रेस पार्टी द्वारा कई अन्य प्रत्याशियों के नाम की घोषणा की जाने वाली है। जिसमें राजस्थान के प्रत्याशियों के नाम भी शामिल होने की बात कही जा रही है। राजस्थान में प्रत्याशियों के नाम की घोषणा में देरी के पीछे कांग्रेस पार्टी द्वारा प्रदेश में दो क्षेत्रीय दलों से चुनावी गठबंधन करने की संभावना को बताया जा रहा है।

राजस्थान में पिछले दो बार से लोकसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी का खाता भी नहीं खुल पाया था। प्रदेश की सभी 25 लोकसभा सीटों पर दोनों बार भाजपा के प्रत्याशी जीते थे। मगर इस बार के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ऐसे प्रत्याशियों को मैदान में उतरना चाहती है जो भाजपा प्रत्याशियों को कड़ी टक्कर तो देंगे ही साथ ही प्रदेश में जीत का खाता भी खोल सकेंगे। तीन महीने पहले विधानसभा चुनाव में हार चुकी कांग्रेस पार्टी के पास अब प्रदेश में खोने को कुछ नहीं बचा है।

ऐसे में कांग्रेस के केंद्रीय नेताओं का मानना है कि आगामी लोकसभा चुनाव में कांग्रेस करो या मरो की नीति पर चलते हुए पूरी ताकत के साथ चुनाव लडेगी। इसी श्रृंखला में कांग्रेस के सभी प्रदेश स्तरीय बड़े नेताओं को भी चुनाव मैदान में उतार जायेगा। हालांकि कांग्रेस के कई बड़े नेता लोकसभा चुनाव लड़ने में आनाकानी कर रहे हैं। मगर कांग्रेस आलाकमान ने जिस तरह से छत्तीसगढ़ में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को मैदान में उतारा है। उसको देखकर लगता है कि अब राजस्थान में भी कांग्रेस के बड़े नेताओं को चुनाव लड़ना ही पड़ेगा।

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत राजस्थान में कांग्रेस के सबसे बड़े नेता माने जाते हैं। मगर उनके गृह क्षेत्र जोधपुर में दो बार से लगातार कांग्रेस हार रही है। पिछली बार तो उनके पुत्र वैभव गहलोत भाजपा के केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत से करीबन 3 लाख से अधिक मतों से चुनाव हार गए थे। इसलिए इस बार कांग्रेस आलाकमान स्वयं अशोक गहलोत को जोधपुर से चुनाव मैदान में उतारने जा रहा है। अशोक गहलोत जोधपुर से पांच बार सांसद तथा जोधपुर संसदीय क्षेत्र के ही सरदारपुर से छठी बार विधायक बने हैं। ऐसे में अशोक गहलोत के खुद के चुनाव लड़ने से चुनावी मुकाबला कांटे का होने की संभावना जताई जा रही है। अशोक गहलोत के लोकसभा चुनाव लड़ने का असर प्रदेश की अन्य लोकसभा सीटों पर भी पड़ेगा और कांग्रेस पार्टी मजबूत होगी।

इसी तरह कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव व पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सचिन पायलट को टोंक-सवाई माधोपुर सीट से चुनाव मैदान में उतर जाएगा। पायलट अभी टोंक से विधायक है तथा पूर्व में दौसा व अजमेर से सांसद रह चुके हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा को सीकर लोकसभा सीट से चुनाव लड़वाया जाएगा। डोटासरा सीकर लोकसभा क्षेत्र के लक्ष्मणगढ़ से चौथी बार विधायक का चुनाव जीते हैं। पिछली गहलोत सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे गोविंद राम मेघवाल को बीकानेर सुरक्षित सीट से चुनाव लड़वाया जाएगा।

पूर्व मंत्री मुरारीलाल मीणा को दौसा संसदीय सीट से चुनाव लड़वाया जाएगा। पिछली बार उनकी पत्नी सविता मीणा को टिकट दिया गया था जो भाजपा की जसकौर मीणा से 78444 वोटो से चुनाव हार गई थी। अजमेर से पूर्व सांसद व पूर्व मंत्री रघु शर्मा को चुनाव लड़वाये जाने की चर्चा चल रही है। रघु शर्मा इस बार केकड़ी से विधानसभा चुनाव हार गये हैं। बाड़मेर से पूर्व मंत्री हरीश चौधरी को चुनाव लड़वाया जा सकता है। हरीश चौधरी अभी विधायक भी है तथा पूर्व में बाड़मेर से सांसद भी रह चुके हैं।

पूर्व विधानसभा अध्यक्ष सीपी जोशी को राजसमंद से चुनाव लड़वाया जा सकता है। सीपी जोशी पिछला विधानसभा चुनाव नाथद्वारा सीट से हार चुके हैं। वह पूर्व में कई बार विधायक व भीलवाड़ा से सांसद, केन्द्र सरकार में मंत्री, प्रदेश अध्यक्ष व राष्ट्रीय महासचिव भी रह चुके हैं तथा राजस्थान कांग्रेस में बड़े नेता माने जाते हैं। कोटा से पूर्व मंत्री शांति धारीवाल को चुनाव लड़वाने की चर्चा चल रही है। धारीवाल वर्तमान में कोटा उत्तर से विधायक है तथा पूर्व में कोटा से सांसद, कोटा के जिला प्रमुख व कई बार मंत्री रह चुके हैं।

झालावाड़ सीट से पूर्व मंत्री प्रमोद जैन भाया का नाम चर्चाओं में है। उदयपुर सीट से रघुवीर मीणा को चुनाव लड़वाने की चर्चा है। हालांकि रघुवीर मीणा पिछले कई चुनाव हार चुके हैं मगर फिर भी वह उदयपुर से कांग्रेस के सबसे मजबूत उम्मीदवार के तौर पर उभरे हैं वह पूर्व में उदयपुर से सांसद हुए कई बार विधायक रह चुके हैं। महेंद्रजीत सिंह मालवीय के भाजपा में जाने के बाद बांसवाड़ा-डूंगरपुर सीट पर मौजूदा विधायक नानालाल निभाना की दावेदारी मजबूत हो रही है। हालांकि कांग्रेस भारतीय आदिवासी पार्टी से गठबंधन पर चर्चा कर रही है। यदि गठबंधन होता है तो बांसवाड़ा सीट कांग्रेस को छोड़नी पड़ेगी।

जयपुर शहर से कांग्रेस अल्पसंख्यक समाज के विधायक सलीम कागजी को चुनाव लडवा सकती है। कागजी दूसरी बार विधायक बने हैं तथा कांग्रेस में बड़े अल्पसंख्यक चेहरे हैं। अलवर से कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव भंवर जितेंद्र सिंह का चुनाव लड़ना तय माना जा रहा है। जितेंद्र सिंह पूर्व में अलवर से सांसद, विधायक व केंद्र सरकार में मंत्री रह चुके हैं। भीलवाड़ा से पूर्व राजस्व मंत्री रामलाल जाट तथा पाली से दिव्या मदेरणा को चुनाव लड़वाया जाएगा। झुंझुनू में पूर्व मंत्री विजेंद्र ओला को चुनाव लड़वाया जाएगा। विजेंद्र ओला के पिता शीशराम ओला झुंझुनू से लगातार पांच बार सांसद व केंद्र सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे थे। विजेन्द्र ओला अभी झुंझुनू से चौथी बार विधायक है तथा गहलोत सरकार में राज्य मंत्री थे। चूरू से भाजपा के सांसद राहुल कस्वां को कांग्रेस प्रत्याशी बन सकती है। राहुल कस्वां का भाजपा ने टिकट काट दिया है। राहुल कस्वां दूसरी बार चूरू से सांसद हैं। उनके पिता रामसिंह कस्वां चार बार चूरू से सांसद व राजगढ़ से विधायक रह चुके हैं। ऐसे में कांग्रेस चाहती है कि राहुल कस्वां कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़े।

राजस्थान में कांग्रेस हनुमान बेनीवाल की राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी तथा भारतीय आदिवासी पार्टी के साथ चुनावी गठबंधन कर प्रदेश में इंडिया गठबंधन को मजबूत कर चुनाव लड़ना चाहती है। हनुमान बेनीवाल नागौर व बाड़मेर सीट तथा भारतीय आदिवासी पार्टी बांसवाड़ा-डूंगरपुर तथा उदयपुर सीट मांग रही है। ऐसे में कांग्रेस के बड़े नेता दोनों प्रादेशिक पार्टियों के नेताओं से बात कर गठबंधन को अंतिम रूप देने में जुटे हुए हैं। राजस्थान में दोनो क्षेत्रीय पार्टियों से गठबंधन होने की घोषणा के साथ ही कांग्रेस अपने प्रत्याशियों के नामों की सूची भी जारी कर देगी।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

कांग्रेस मुक्त भारत करते-करते भाजपा का कांग्रेसमय हो जाना

(लेखक-डॉ हिदायत अहमद खान)

राजनीति में कुछ भी स्थाई नहीं होता। आज जो सरकार में हैं कल उन्हें विपक्ष में भी बैठना पड़ सकता है और जो सरकार बनाने की सोच तक नहीं रखते उन्हें जनता-जनार्दन सत्ता की बागडोर सौंप शासन करने का हुक्म सुना देती है। बहरहाल यहां हम जनता के फैसले की बात नहीं कर रहे हैं, बल्कि राजनीतिक दलों और उनके नेताओं के बीच वर्तमान में जो घट रहा है, यहां उस पर मंथन करने और नतीजा निकालने का प्रयास किया गया है। दरअसल वर्तमान में ऐसे सियासी हादसे नजरों के सामने से गुजरे हैं, जिन्हें देखकर लगता ही नहीं है कि अब राजनीतिक दलों के अपने कोई सिद्धांत भी काम कर रहे हैं और उनकी अपनी कोई सुचिता भी बची हुई है। ऐसा इसलिए कहा जा रहा है क्योंकि जिन्होंने कांग्रेस मुक्त भारत की शपथ ली वही अपनी पार्टी को कांग्रेसमय करते नजर आ रहे हैं। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी साल 2013 में जब लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा की अभियान समिति के प्रमुख बनाए गए तो उन्होंने कांग्रेस मुक्त भारत का आह्वान कर तमाम सोये हुए नेताओं को जगा दिया था। इस कथित युद्धघोष ने भाजपा कार्यकर्ताओं को सत्ता पर काबिज होने का मंत्र दे दिया था। इसके साथ ही भाजपा ने जहां लोकसभा चुनाव में बेहतरीन प्रदर्शन कर सरकार बनाने में सफलता अर्जित की वहीं राज्य दर राज्य कांग्रेस को उखाड़ फेंकने में भी वह कामयाब होती दिखी है। भाजपा की इस मुहिम में कौन कितना सहभागी बना यह भी अलग बात है, क्योंकि इसे लेकर आरोप-प्रत्यारोप के जो अलग-अलग दौर चले हैं, उसमें भी सच्चाई तलाशने और किसी परिणाम तक पहुंचने में खासा समय लग सकता है। वैसे कहा यही जाता है और काफी हद तक सही भी यही है कि जहां आग होती है वहीं धुंआ उठता है।

कांग्रेस मुक्त भारत की मुहिम बहुत तेजी से चली लेकिन कब यह कांग्रेसमय भाजपा में तब्दील हो गई, खुद पार्टी नेताओं को इसका एहसास तक नहीं हुआ। अब सवाल यह उठ रहा है कि क्या भाजपा सचमुच कांग्रेस मुक्त भारत चाहती है या खुद को कांग्रेस जैसा बनाने में लगी हुई है। ऐसा इसलिए भी कह सकते हैं, क्योंकि कांग्रेस ने अपने शासनकाल में अल्पसंख्यकों के साथ तुष्टिकरण का जो खेल खेला उसने उन्हें रसातल पर पहुंचा दिया है, जैसा कि भाजपा दावा भी करती है। इसी तर्ज पर पिछले एक दशक से भाजपा ने बहुसंख्यक तुष्टिकरण का खेल खेलना शुरु कर दिया है। इसका परिणाम भी अब साफ देखने को मिलने लगा है। कांग्रेस की रणनीति जम गई इसलिए भाजपा नेतृत्व आंख बंद कर कांग्रेस के कथित कद्दावर नेताओं से लेकर छोटे-मोटे कार्यकर्ताओं को भी पार्टी में एंट्री करवाने के लिए जी-जान से जुटी हुई है। इस मुहिम में यह भी नहीं देखा जा रहा है कि भाजपा में जिन कांग्रेस नेताओं को शामिल किया जा रहा है वो खुद अपने क्षेत्र में कितना प्रभाव रखते हैं। सवाल तो यह भी उठ रहा है कि ये अवसरवादी दल-बदलु नेता यदि इतना ही प्रभाव रखते तो क्या वो खुद अपने दम पर चुनाव जीतकर विधानसभा या लोकसभा तक नहीं पहुंच गए होते। इनका अपना राजनीतिक केरियर पहले ही समाप्त प्राय- हो गया है और येन-केन-प्रकारेण ये खुद को नेता साबित करने में जोड़-तोड़ कर रहे हैं। अब चूंकि कांग्रेस नेतृत्व इनकी हकीकत जान चुका है अत- ऐसे नेताओं पर जमीनी स्तर पर कार्य करने का दबाव भी पड़ा है, जिस कारण ये बगलें झांकते नजर आए हैं। ऐसे में ये दल-बदल कर शर्म भी महसूस नहीं कर रहे हैं। जब ये मुखौटा बदल जनता के बीच जाते हैं तो मतदाता खुद इनके मुंह में कहता दिखता है, कि शर्म तुमको मगर आती नहीं, जो यहां यूं चले आते हैं। एक तरफ कांग्रेस नेता राहुल गांधी भारत जोड़ो न्याय यात्रा के माध्यम से पार्टी के मूल सिद्धांत को प्रमाणित करने में लगे हैं, वहीं दूसरी तरफ उनके अपने कथित नेता व कुछ कार्यकर्ता लोकसभा चुनाव से पहले यूं पार्टी छोड़ अन्य दलों का दामन थामते नजर आ रहे हैं जैसे कि कोई पानी का जहाज डूब रहा हो और उसके अंदर रहने वाले चूहे जान बचाने के उपक्रम में समंदर में ही कूदे चले जा रहे हों। कहा यह भी जा रहा है कि ऐसे नेताओं को पार्टी में शामिल करना स्वयं भाजपा के लिए नुकसानदेह साबित होने वाला है।

सच पूछा जाए तो ये वो नेता नहीं हैं जिनके नाम और काम से जनता वोट देती है, बल्कि ये तो वो लोग हैं जो टिकट बंटवारे से लेकर पार्टी में कौन सक्रिय रहेगा और कौन हासिये पर जाएगा, इसका मार्ग प्रशस्त करते हैं।

ये खरीद-फरोख्त तो बेहतर तरीके से कर सकते हैं, लेकिन जमीनी फायदा पार्टी को नहीं पहुंचा सकते हैं। इसलिए जब-जब केंद्रीय नेतृत्व और आला दर्जे के नेताओं ने चुनाव पूर्व कांग्रेस का माहौल बनाया, उसे ये नेता वोट में भी कन्वर्ट नहीं कर सके और पार्टी को शर्मनाक हार का मुंह देखना पड़ा है। अब जबकि ये कांग्रेसमय भाजपा बनाने वहां पहुंच गए हैं तो इससे भाजपा के समर्पित और प्रतिष्ठित कहे जाने वाले नेताओं और कार्यकर्ताओं को भी खासी दिक्कत हो सकती है। पार्टी की खातिर ये इनका मुखर होकर विरोध तो नहीं करेंगे, लेकिन सहयोग करने से भी गुरेज जरुर करेंगे।

कब और कैसे करें चने की खेती

भारत में चने की खेती मुेयरूप से उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान तथा बिहार में की जाती है। देश के कुल चना क्षेत्रफल का लगभग 90 प्रतिशत भाग तथा कुल उत्पादन का लगभग 92 प्रतिशत इन्ही प्रदेशों से प्राप्त होता है। भारत में चने की खेती 7.54 मिलियन हेक्टेयर क्षेत्र में की जाती है जिससे 7.62 क्विं./हे. के औसत मान से 5.75 मिलियन टन उपज प्राप्त होती है। भारत में सबसे अधिक चने का क्षेत्रफल एवं उत्पादन वाला राज्य मध्यप्रदेश है तथा छत्तीसगढ़ प्रान्त के मैदानी जिलो में चने की खेती असिंचित अवस्था में की जाती है।

जलवायु :

चना एक शुष्क एवं ठण्डे जलवायु की फसल है जिसे रबी मौसम में उगाया जाता हे। चने की खेती के लिए मध्यम वर्षा (60-90 से.मी. वार्षिक वर्षा) और सर्दी वाले क्षेत्र सर्वाधिक उपयुक्त है। फसल में फूल आने के बाद वर्षा होना हानिकारक होता है, क्योंकि वर्षा के कारण फूल परागकण एक दूसरे से चिपक जाते जिससे बीज नही बनते है। इसकी खेती के लिए 24-300सेल्सियस तापमान उपयुक्त माना जाता है। फसल के दाना बनते समय 30 सेल्सियस से कम या 300 सेल्सियस से अधिक तापक्रम हानिकारक रहता है।

भूमि की तैयारी :

चने की खेती दोमट भूमियों से मटियार भूमियों में सफलता पूर्वक किया जा सकता है। चने की खेती हल्की से भारी भूमियों में की जाती है। किन्तु अधिक जल धारण एवं उचित जल निकास वाली भूमियां सर्वोत्तम रहती हैं। छत्तीसगढ़ की डोरसा, कन्हार भूमि इसकी खेती हेतु उपयुक्त हैं। मृदा का पी.एच. मान 6-7.5 उपयुक्त रहता है।

अंसिचित अवस्था में मानसून शुरू होने से पूर्व गहरी जुताई करने से रबी के लिए भी नमी संरक्षण होता है। एक जुताई मिट्टी पलटने वाले हल तथा 2 जुताई देशी हल से की जाती है। फिर पाटा चलाकर खेत को समतल कर लिया जाता है। दीमक प्रभावित खेतों में क्लोरपायरीफास मिलाना चाहिए इससे कटुआ कीट पर भी नियंत्रण होता है।

छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश के लिए अनुशंसित किस्मः

इंदिरा चना : यह किस्म फफूंदी उकठा रोग के प्रति मध्यम प्रतिरोधी एवं कटुवा कीट के प्रति सहनशील है। यह बरानी एवं अर्धसिंचित अवस्था के लिए उपयुक्त है। इस किस्म की उत्पत्ति जे.जी. 74 × आई. सी.सी.एल.-83105 से हुई है एवं यह 110-115 दिनों में पककर 15-20 क्वि. हे. उपज देती है।

वैभवः इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित यह किस्म सेपूर्ण छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश के लिए उपयुक्त है। यह किस्म 110-115 दिन में पक जाती है। दाना बड़ा, झुर्रीदार तथा कत्थई रंग का होता है। दानों में 18 प्रतिशत प्रोटीन होता है। उतेरा के लिए भी उपयुक्त होता है। यह अधिक तापमान, सूखा और उकठा निरोधक किस्म है जो सामान्यतौर पर 15 क्विं. तथा देर से बोने पर 13 क्विं. प्रति हेक्टेयर उपज देता है।

ग्वालियरः इसका दाना हल्का, भूरे रंग का होता है। यह जाति 125 दिन में तैयार हो जाती है। इसकी पैदावार लगभग 12 से 15 क्विं./हे. होती है। इसके दाने में 18 प्रतिशत प्रोटीन होता है।

उज्जैनः 24 इसका दाना पीला भूरा होता है। यह लगभग 123 दिन में तैयार हो जाती है। इसकी उपज लगभग 10 से 13 क्विं./हे. होती है। इसके दाने में प्रोटीन 19 प्रतिशत रहता है।

जे.जी. 315: यह किस्म 125 दिन में पककर तैयार हो जाती है। औसत उपज 12 से 15 क्विं./हे. है इसके 100 दानों का वजन 15 ग्राम है एवं बीज का रंग बादामी तथा देर से बोने हेतु उपयुक्त किस्म है।

विजयः सर्वाधिक उपज देने वाली 90-105 दिन में तैयार होने वाली किस्म है । यह किस्म सिंचित व असिंचित क्षेत्रो के लिए उपयुक्त है। अधिक शाखायें व मध्यम ऊँचाई वाले पौधे होते है। उपज क्षमता 24-45 क्विं./हे. है।

काबूली चनाः छत्तीसगढ़ में इसकी खेती सिंचित दशा में ही की जा सकती है पर प्रति हेक्टेयर पौध सेंया का बराबर न होना प्रान्त में खेती को बढ़ावा नहीं दे रहा है।

एल 550 : यह 140 दिनों में पकने वाली किस्म है। इसकी उपज 10 से 13 क्विं./हे. है इसके 100 दानों का वजन 24 ग्राम है।

सी -104 : यह किस्म 130-135 दिन में पककर तैयार हो जाती है। एवं औसतन 10 से 13 क्विं./हे. उपज देती है। इसके 100 दानों का वजन 25-30 ग्राम होता है।

बोवाई का समय असिंचित क्षेत्र में : सितेबर के आखिरी सप्ताह एवं अक्टूबर के तीसरी सप्ताह में करनी चाहिए। सिंचित क्षेत्र (पछेती) दिसेबर के तीसरे सप्ताह तक अवश्य सेपन्न कर लेना चाहिए।

बीज दर : समय पर बोवाई के लिए 75-80 कि.ग्रा./हे.

देशी चना (मोटा दाना) 80 -100 कि.ग्रा/हे.

काबुली चना (मोटा दाना) 100-120 कि.ग्रा./हे.

बीजोपचार : बीज को थायरम 2 ग्राम प्रति किलो बीज इसके अलावा उचित राइजोबियम कल्चर से उपचारित करना आवश्यक है।

सिंचाई :

आमतौर पर चने की खेती असिंचित अवस्था में की जाती है। चने की फसल के लिए कम जल की आवश्यकता होती है। चने में जल उपलब्धता के आधार पहली सिंचाई फूल आने के पूर्व अर्थात बोने के 45 दिन बाद एवं दूसरी सिंचाई दाना भरने की अवस्था पर अर्थात बोने के 75 दिन बाद करना चाहिए।

खाद एवं उर्वरक :

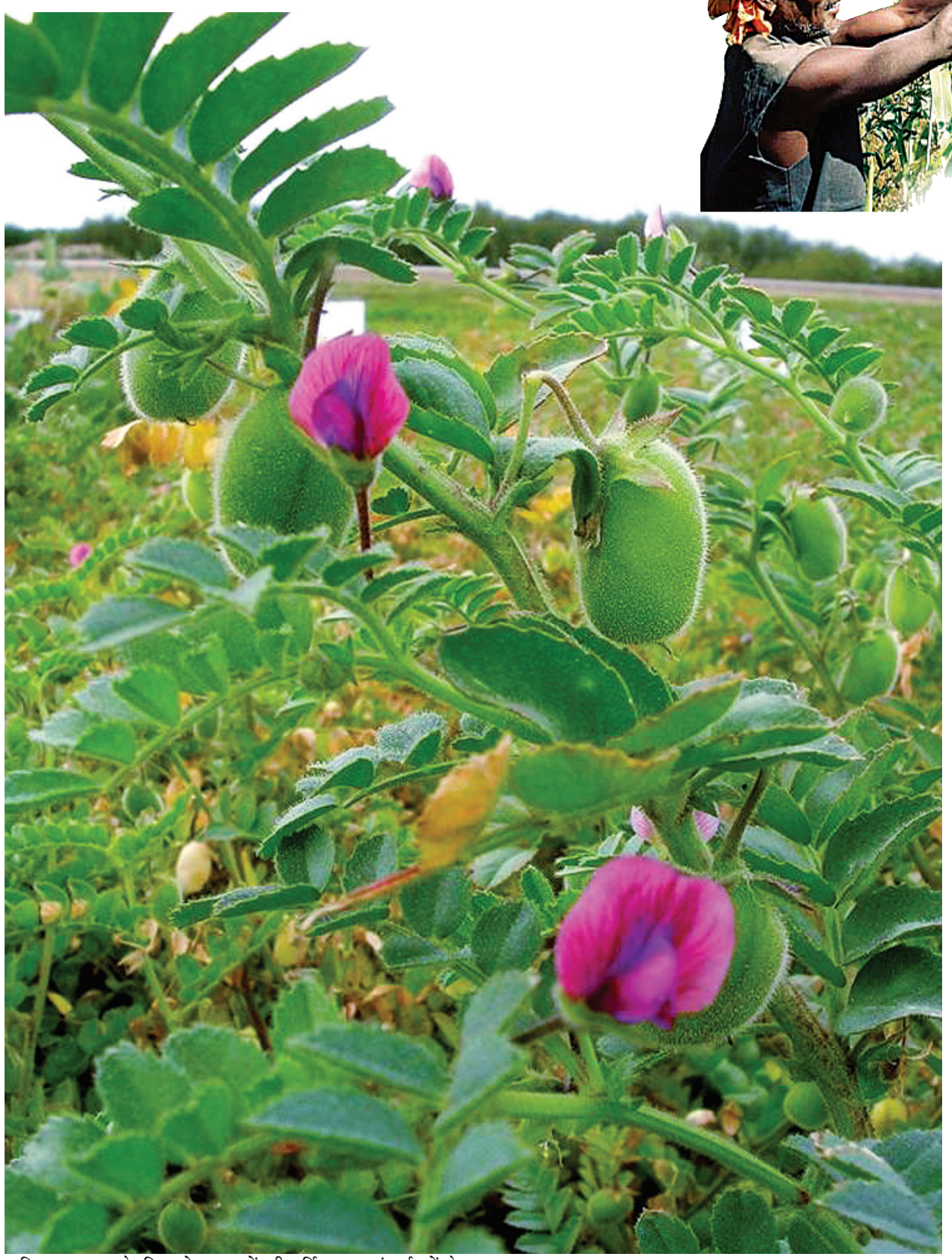

मूंग की 10 टन उपज देने वाली फसल भूमि से 40 कि.ग्रा. नत्रजन, 4-5 कि.ग्रा. स्फूर 10-12 कि.ग्रा. पोटाष ग्रहण कर लेती है। अतः

अधिकतम उपज के लिए पोषक तत्वों की पूर्ति खाद एवं उर्वरकों के माध्यम से करना आवष्यक है। गोबर की खाद या केपोस्ट पाँच टन प्रति हेक्टेयर के हिसाब से खेत की तैयारी के समय देना चाहिए। मूंग की फसल से अच्छी उपज लेने के लिए 20 किलों नत्रजन, 40 किलो स्फुर, 20 किलो पोटाष व 20 किलो सल्फर प्रति हेक्टेयर का उपयोग करना चाहिए। उर्वरक की पूरी मात्रा बोवाई के समय कूंड में बीज के नीचे 5-7 से.मी. की गहराई पर देना लाभप्रद रहता है। मिश्रित फसल के साथ मूंग की फसल को अलग से खाद देने की आवष्यकता नहीं रहती है।

कीट नियंत्रणः

कटुआः चने की फसल को अत्यधिक नुकसान पहुँचाता है। इसकी रोकथाम के लिए 20 कि.ग्रा./हे. की दर से क्लोरापायरीफॉस भूमि में मिलाना चाहिए।

फली छेदक : इसका प्रकोप फली में दाना बनते समय अधिक होता हैं नियंत्रण नही करने पर उपज में 75 प्रतिशत कमी आ जाती है। इसकी रोकथाम के लिए मोनाक्रोटोफॉस 40 ई.सी 1 लीटर दर से 600-800 ली. पानी में घोलकर फली आते समय फसल पर छिड़काव करना चाहिए।

चने के उकठा रोग नियंत्रण : उकठा रोग निरोधक किस्मों का प्रयोग करना चाहिए। प्रभावित क्षेत्रो में फल चक्र अपनाना लाभकर होता है। प्रभावित पोधा को उखाड़कर नष्ट करना अथवा गड्ढे में दबा देना चाहिये। बीज को कार्बेन्डाजिम 2.5 ग्राम या ट्राइकोडर्मा विरडी 4 ग्राम/किलो बीज की दर से उपचारित कर बोना चाहिए।

उपज एवं भण्डारण : चने की शुध्द फसल को प्रति हेक्टेयर लगभग 20-25 क्विं. दाना एवं इतना ही भूसा प्राप्त होता है। काबूली चने की पैदावार देशी चने से तुलना में थोडा सा कम देती है। भण्डारण के समय 10-12 प्रतिशत नमी रहना चाहिए।

रसायानिक खेती का बेहतर विकल्प 'बेंवर खेती'

बैगा आदिवासी बिना जोत व उर्वरक के उगाते अनाज व औषधि

यह जानकर आपको आश्चर्य होगा कि हमलोग प्रतिदिन 0.5 मिली ग्राम जहर खाते हैं। लेकिन यह सच है। इंटरनेश्नल फाउंडेशन आफ आर्गेनिक

एग्रीकल्चर मूवमेंट नामक अंतर्राष्ट्रीय संस्था ने आलू के 100 नमूनों में से 12 और टमाटर के 100 नमूनों में से 48 में जहर पाया था। इसी तरह उत्तरप्रदेश के वैज्ञानिकों ने एक शोध में पाया कि हमारे शरीर में साल भर में करीब 174 मिली ग्राम जहर पहुंचता है और यह जहर अगर शरीर में एक साथ पहुंच जाए तो व्यक्ति की मृत्यु सुनिश्चित है। जानते हैं शरीर के अंदर यह जहर दूध, फल, सब्जी और अनाज खाने से धीमे गति से पहुंचता है और यह सब आज के रसायनिक खेती में उपयोग होने वाले उर्वरक के कारण हो रहा है।

देखा जाए तो हम लोग ज्यों-ज्यों विकास की ओर अग्रसर हो रहे हैं, हम अपनी संस्कृति और परंपराओं को पीछे छोड़ते जा रहे हैं। हमने वर्ष 1966-67 में हरित क्रांति का आगाज तो किया, लेकिन अंधाधुंध रसायनों और कीटनाशकों का उपयोग करके। जिसका परिणाम आज फलों व सब्जियों में जहर के रूप में सामने आ रहा है। मौजूदा समय में जरूरत है तो इस रसायनिक खेती के बेहतर विकल्प तलाशने की और वह जैविक खेती के रूप में सामने आ रहा है। अर्थात फिर से प्राकृतिक तरीके से खाद तैयार कर खेती करना। लेकिन हम आदिवासियों की 'बेंवर खेती' को क्यों भूल रहे हैं, जिसमें खेती करने के लिए न तो किसी प्रकार की खाद व दवाई की आवश्यकता पड़ती है और न ही सिंचाई करने के लिए पानी और हल से जोत की जरूरत। उसके बावजूद इसमें बेपर पैदावार होती है। विशेषकर यह पहाड़ी इलाकों के लिए बेहतर विकल्प बनकर उभर सकता है।

रसायनिक खेती के जहां ज्यादा नुकसान हैं, वहीं बेंवर खेती के कई फायदे हैं। बिना हल चलाए खेती करने से पहाड़ अथवा ढ़लान की मिट्टी के कटाव को रोका जाता है। इसके खेत तैयार करने के लिए न तो पेड़ों को काटा जाता है और न ही जमीन जोती जाती है। इसकी सिंचाई व इसमें खाद डालने के लिए किसानों को सोचना भी नहीं पड़ता है। यह पूरी तरह बारिश पर निर्भर है। इसलिए इस तरह की खेती पहड़ी इलाकों में ज्यादा सुरक्षित है, जहां बारिश समय पर होती है। बेंवर ख्रेती की मिश्रित प्रणाली के कारण फसल में कीड़ा लगने का खतरा भी नहीं रहता है। इसमें बाढ़ व आकाल झेलने की क्षमता भी होती है और यह कम लागत व अधिक उत्पादन की तर्ज पर काम करता है। फिलहाल बैगा आदिवासी इसमें डोंगर, कुटकी, शांवा, सलहार, मंडिया, खास, झुंझरू, बिदरा, डेंगरा, ज्वार, कांग, उड़द, ककड़ी, मक्का, भेजरा सहित सौ से ज्यादा अनाज उगाते हैं। इसके अलावा औषधि की भी खेती करते हैं।

बेंवर खेती के लिए जमीन तैयार करने में भी मशक्कत नहीं करनी पड़ती। मौजूदा खेती की तरह इसमें किसानों को न तो बिजली, पानी के लिए रोना पड़ता है और न ही उर्वरक लेने के लिए मारामारी करनी पड़ती है। इसमें सबसे पहले खेती की जमीन पर छोटे-छोटे पेड़ों व झाड़ियों को काटकर बिछाया जाता है, फिर झाड़ियां सूखने के बाद उसमें आग लगा दी जाती है। आग जलने के बाद राख की वहां एक परत बन जाती है, जिसमें बरसात शुरू होने से एक सप्ताह पहले विभिन्न किस्मों के बीज मिलाकर उसे खेत में छिड़क दिया जाता है। बारिश के बाद उसमें फसल लहलहाने लगता है।

आज भी इस तरह की खेती आदिवासी इलाकों में होती है। यह जैविक खेती का ही एक रूप है। डिंडौरी जिले के समनापुर विकासखंड के कई गांवों में बैगा आदिवासी इस तरह की खेती करके अनाज का उत्पादन करते हैं और अपनी आजीविका चलाते हैं। 'बेंवर खेती' पूरी तरह से जैविक, पारिस्थितिक, प्रकृति के अनुकुल और मिश्रित खेती है। इसकी खासियत यह है कि इस खेती में एक साथ 16 प्रकार के बीजों का इस्तेमाल किया जाता है, उनमें कुछ बीज अधिक पानी में अच्छी फसल देता है, तो कुछ बीज कम पानी होने या सूखा पड़ने पर भी अच्छा उत्पादन करता है। इससे खेत में हमेशा कोई-न-कोई फसल लहलहाते रहता है। इससे किसानों के परिवार को भूखे मरने की नौबत भी नहीं आती और न ही किसान को आत्महत्या करने की स्थिति उत्पन्न होती है। फिलहाल इस तरह की खेती पर रोक लगी हुई है। सन् 1864 में अंग्रेजों के वन कानून ने इस पर रोक लगा दी है। उसके बाद भी डिंडौरी जिले के बैगाचक और बैगाचक से लगे छत्तीसगढ़ के कवर्धा जिले में कुछ बैगा जनजाति 'बेंवर खेती' को अपनाए हुए है। सरकार को चाहिए की इसे बढ़ावा दे और इससे शहरी किसानों को भी जोड़े।

पोर्टेबल वर्षा मापक यंत्र के सहारे से करें खेती

मौसम में परिवर्तन हो रहा है, इस बदलते मौसम में वर्षापात जिला स्तर पर न होकर यह प्रखंडवार और पंचायतवार स्तर पर हो रहा है, ऐसी परिस्थिति में किसान पोर्टेबल वर्षा मापक यंत्र द्वारा अपने पंचायत स्तर पर वर्षा माप सकते हैं और उसी के अनुरूप अपनी खेती की योजना बना सकते हैं।

कृषि विज्ञान केंद्र के कार्यक्रम समन्वयक डॉ गोपाल राम शर्मा ने कहा कि पोर्टेबल वर्षा मापक उपकरण प्लास्टिक का बना होता है जो प्लास्टिक के तीन डब्बों से बना होता है और साथ में एक नपना गिलास होता है, जिसमें वर्षा जल डाल कर रीडिंग पढ़ते है, इसे एक स्थान से दूसरे स्थान पर आसानी से ले जाया जा सकता है, इसका वजन बहुत ही हल्का होता है।

इसकी कीमत भी लगभग दो हजार के आसपास होती है और यह शहर में विज्ञान के उपकरण की दुकान या मौसम विभाग से जानकारी प्राप्त कर प्राप्त किया जा सकता है। उनहोंने कहा कि इस उपकरण से यह मालूम हो जाता है कि कितनी वारिस हुई है।

खेत में नमी, पानी की स्थिति देखकर किसान अपनी फसल की योजना बना सकते है। उन्होंने बताया कि इस उपकरण को घर के किसी ऊंचे स्थान पर या छत पर वर्षा शुरू होने से पहले रख देते ह॥ जहां पर आस-पड़ोस पेड़ या दूसरा ऊंचा मकान न हो।

खुले स्थान पर रखने से वर्षा का पानी जमा हो जाता है. उस पानी को नपना गिलास में रख कर रिडिंग किया जा सकता है।

होम्योपैथी का सहारा ले सकते हैं अनिद्रा के रोगी

मुझे नींद नहीं आती, आपने अकसर लोगों को यह शिकायत करते सुना होगा। नींद एक जैविक प्रक्रिया है। हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए पर्याप्त नींद बहुत ही जरूरी है। पर्याप्त नींद नहीं लेने से हमारी कार्यक्षमता पर भी बुरा असर पड़ता है। अनिद्रा के शिकार लोगों को अकसर दिन में इधर-उधर झपकियां लेते देखा जा सकता है।

अनिद्रा आजकल एक महामारी की तरह फैलती जा रही है। एक अनुमान के मुताबिक आज विश्व में हर पांचवां व्यक्ति अनिद्रा का शिकार है। अनिद्रा का अर्थ है नीद में व्यवधान, नींद उचटना या कम नींद आना। यह दो प्रकार की होती है। पहले प्रकार की अनिद्रा का संबंध उन लोगों से जिन्होंने कभी अच्छी, चैन की नींद का आनंद नहीं लिया हो तथा ये लोग तनाव, घबराहट या अन्य किसी असहनीय पीड़ा से पीड़ित न हो। पहली प्रकार की अनिद्रा से पीड़ित लोगों की नाड़ी की गति तेज तथा शरीर का तापमान अधिक होता है। इनकी बाह्य धमनियां प्रायः संकुचित होती हैं। ये लोग प्रायः हिलते-डुलते रहते हैं। दूसरे प्रकार की अनिद्रा का संबंध उन लोगों की अनिद्रा से है जो किसी न किसी बीमारी से पीड़ित होते हैं जैसे पेट में दर्द, पैरों में बेचैनी, थकान, स्पाइनल कॉर्ड में दर्द आदि। इन बीमारियों से नींद की प्रारंभिक अवस्था में बाधा पहुंचती है।

दूसरे प्रकार की अनिद्रा साइकेट्रीक, साइकोसिस तथा साइकोन्यूरोसिस के मरीजों में आमतौर पर देखी जा सकती है। डर तथा चिंता भी अनिद्रा के कारण हो सकते हैं। डिप्रेशन तथा मेनियक डिप्रेशन से भी अनिद्रा की शिकायत हो सकती है इससे सोने पर एक बार तो नींद आ जाती है परन्तु सुबह जल्दी आंख खुल जाती है तथा बाद में रोगी सो नहीं पाता। सन्निपात तथा कोई काल्पनिक डर भी अनिद्रा के कारण हो सकते हैं।

आंखों का खास ख्याल रखें

मधुमेह पीड़ित

मधुमेह के कारण होने वाली इन बीमारियों से बचने के लिए जरूरी है कि मधुमेह के रोगी समय-समय अपनी आंखों की जांच कराते रहें और कोई भी दिक्कत सामने आते ही उसका इलाज करवाना शुरू कर दें। मधुमेह के रोगी के चश्मे की नंबर बार-बार बदलता रहता है क्योंकि इस रोग के कारण आंखों के लैंस की फोकस करने की क्षमता बिगड़ जाती है। चश्मे का नंबर बार-बार बदलना, मधुमेह का एक प्रमुख लक्षण है और कई बार इस लक्षण के द्वारा ही मधुमेह की पहचान की जाती है। मधुमेह के रोगियों में कम उम्र में ही मोतियाबिंद हो सकता है। वास्तव में जिस रोगी में रक्त शर्करा का उतार-चढ़ाव जितना अधिक होगा। उतना ही जल्दी उसे मोतियाबिंद हो सकता है। कुछ मरीजों में लैंस में धुंधलापन आ जाता है, उसकी पारदर्शिता खत्म हो जाती है इसे डायबिटिक कैटरैक्ट कहते हैं। इसमें रोगी की आंखों के लैंस में हिमवृष्टि जैसी आकृतियां बन जाती हैं और ऐसा प्रतीत होता है मानो लैंस पर बर्फ के फाए जम गए हों। डायबिटिक कैटरैक्ट हो या साधारण मोतियाबिंद इसका इलाज ऑपरेशन द्वारा किया जाता है। यह ऑपरेशन बिना टांकों के हो सकता है जिसे फेको इमल्शिफकिशन कहते हैं। इस तकनीक से ऑपरेशन करने के लिए कार्निया के बाहरी हिस्से में लगभग तीन मिलीमीटर का एक चीरा लगाया जाता है। फिर इस चीरे गए हिस्से में एक अत्यंत छोटा अल्ट्रासोनिक औजार प्रवेश करवाया जाता है। यह औजार अल्ट्रसोनिक तरंग पैदाकर मोतियाबिंद को छोटे-छोटे टुकड़ों में तोड़ देता है। इन टुकड़ों को आसानी से आंखों से निकाल दिया जाता है। परंपरागत ऑपरेशन की तुलना में इस तकनीक द्वारा शल्य क्रिया करने में बहुत छोटा चीरा लगाया जाता है जिससे घाव जल्दी भर जाते हैं। इस ऑपरेशन में टांके लगाने की जरूरत भी नहीं पड़ती। इस तकनीक का प्रयोग करके की जाने वाली शल्य क्रिया में एनैस्थेटिक सुई का प्रयोग नहीं किया जाता। इसमें आंखों में एनैस्थिसयिा की सिर्फ कुछ बूंदें डाली जाती हैं। इस तकनीक से ऑपरेशन करवाने में बहुत कम समय लगता है और ऑपरेशन के बाद मरीज को बहुत कम दवाइयां लेनी पड़ती हैं साथ ही ऑपरेशन के बाद बहुत कम एहतियात बरतने की जरूरत पड़ती है। सामान्य लोगों की तुलना में मधुमेह के मरीजों को ग्लूकोमा (काला मोतिया) होने की संभावना लगभग आठ गुना ज्यादा होती है। ग्लूकोमा के कारण आंख के भीतर दबाव बढ़ जाता है जिससे पर्दे पर जोर पड़ता है और नजर कमजोर हो जाती है। मधुमेह के रोगियों म` दिनोंदिन पुतली के आसपास नई धमनियां पनपने के कारण आंख पर दबाव बढ़ जाता है इस स्थिति को सैंकेडरी ग्लूकोमा कहते हैं। मधुमेह के रोगियों को इसके प्रति सदैव सावधान रहना चाहिए। ग्लूकोमा का उपचार उसके प्रकार तथा रोग की दशा पर निर्भर करता है। आमतौर पर दवाइयों से ही इसका उपचार किया जाता है। इसके लिए लगातार दवाइयों का सेवन करना है परन्तु एक स्थिति ऐसी भी आती है जबकि रोगी पर दवा का कोई असर नहीं होता। ऐसे में लेजर का प्रयोग कर ऑपरेशन किया जाता है। इस आपरेशन के लिए कोई चीर फाड़ नहीं होती और न ही रोगी को अस्पताल में भर्ती होना पड़ता है। लेजर द्वारा उपचार करने के लिए रोगी की आंखों को बस थोड़ी देर के लिए सुन्न किया जाता है। भिन्न-भिन्न किस्म के लेजर के द्वारा भिन्न-भिन्न प्रकार के मोतिया का उपचार किया जाता है। सैकेंडरी ग्लूकोमा के उपचार के लिए आर्गन लेजर का प्रयोग किया जाता है। एंगल क्लोजर ग्लूकोमा के उपचार के लिए याग लेजर प्रयोग किया जाता है।

मधुमेह शरीर के दूसरे अंगों जैसे गुर्दे और हृदय की ही अनेक बीमारियों का जनक नहीं है अपितु आंखों पर भी कई प्रकार से इसका दुष्प्रभाव पड़ता है। मधुमेह के लगभग 80 प्रतिशत रोगियों को जीवन में आंखों की किसी न किसी समस्या का सामना अवश्य करना पड़ता है, आखों की इन समस्याओं में प्रमुख हैं- डायबेटिक रेटिनोपैथी, मोतियाबिंद तथा काला मोतिया।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ

मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा. नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-6-8-9

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

आत्मविश्वास बढ़ेगा। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। मांगलिक कार्योंक्रमों का आयोजन होगा। शुभांक-2-5-8

मिथुन — का की कू घ ङ छ के को हा

विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-5-7-8

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो

पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंग। शुभांक-4-5-7

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे

कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शुभांक-1-3-6

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगें। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। शुभांक-2-4-6

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते

शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-5-7-8

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू

जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नही। शुभांक-3-5-7

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-4-6-8

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी

समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। स्वविवेक से कार्य कर। शुभांक-3-6-9

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा

हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। यात्रा का योग। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूंजी निवेश सोच-समझकर करें। शुभांक-2-4-6

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शत्रुहानि की आशंका रहेगी। आय के योग बनेंगे। किसी की सफलता से प्रेरित होंगे। शुभांक-1-3-5

काकुरो पहेली - 3117

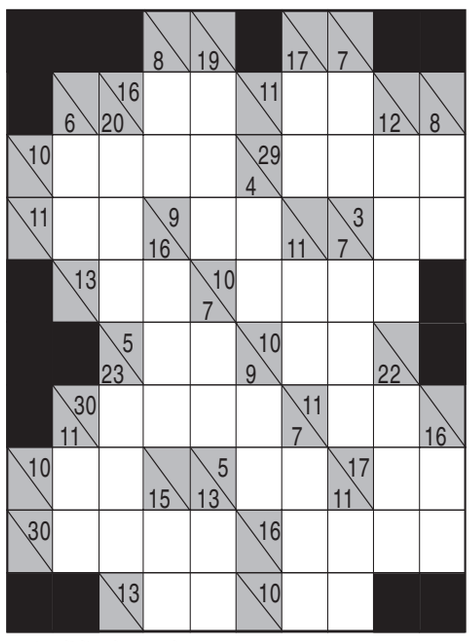

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

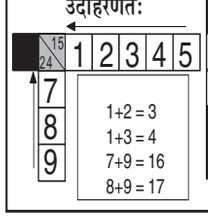

काकुरो - 3116 का हल

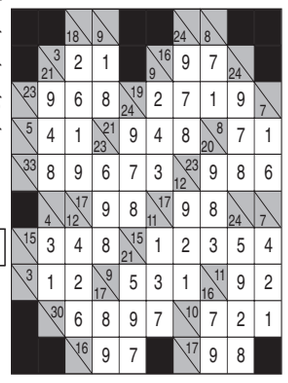

लॉफिंग ज़ोन

प्रेमिका : मेरे होंठ गुलाब की पंखुड़ी जैसे हैं ना।

प्रेमी : हाँ।

प्रेमिका : मेरी आँखें कमल के फूल जैसी हैं ना?

प्रेमी : हाँ।

प्रेमिका : मेरी आवाज कोयल जैसी है ना?

प्रेमी : हाँ।

प्रेमिका : मेरी चाल मोरनी जैसी है ना?

प्रेमी : हाँ।

प्रेमिका : ओह! तुम कितनी अच्छी बातें करते हो।

□ □ □

एक दिलफेंक आशिक ने एक युवती को पकड़ा और सरेआम किस कर दिया।

युवती बोली- तुमने ये क्या किया?

युवक- तो इसे कहते हैं डायरेक्ट मार्केटिंग।

युवती ने युवक का कॉलर जोर से पकड़ा और खींचकर एक जोर का चाँटा रसीद कर दिया।

युवक- अब ये क्या था?

युवती- इसे कहते हैं कस्टमर फीडबैक।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3117

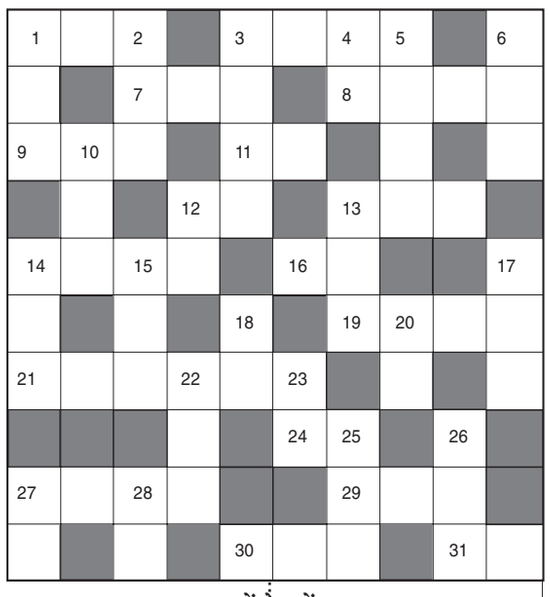

बायें से दायें:-

१. राजकुमार, राजेश खन्ना, माला की फिल्म-३
३. 'साथिन' की सच्ची घटना पर आधारित रघुवीर यादव, नंदिता की फिल्म-४
७. ऋषिकपूर, शाहरूख, दिव्या भारती की फिल्म-३
८. 'मेरे दिल ने जो मांगा मिल गया' गीत वाली फिल्म-४
९. बलराज, श्यामा की 'तारों की चूनर' गीत वाली फिल्म-२,१
११. 'क्या मैंने सोचा' गीत वाली संजय, अभिषेक, बिपाशा की फिल्म-२
१२. संजय, अभिषेक, जायेद, एशा, राइमा, शिल्पा की 'उन से पूछें' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'सलमा को मिल' गीत वाली जैकी, पूनम की फिल्म-३
१४. ऋषिकपूर, जयाप्रदा की 'कोयल बोली दुनिया डोली' गीत वाली फिल्म-४
१६. 'दिल डूबा डूबा नीली' गीत वाली अमिताभ, अजय, अक्षय, ऐश्वर्याराय का फिल्म-२
१९. अक्षय, करिश्मा की 'माथे पे चमके' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'ये चाँद सा' गीत वाली शम्मी, शर्मिला की फिल्म-३,१,२
२४. अरूण गोविल, साहिला की 'मेरी चढ़ती जवानी समझे' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'मेरा कुछ सामान' गीत वाली शशिकपूर, नसीर, रेखा की फिल्म-४
२९. अक्षय, रवीना की 'सुबह से लेकर' गीत वाली फिल्म-३
३०. 'तू ने कहा जब से' गीत वाली अक्षय, करीना कपूर की फिल्म-३
३१. अजय, पूजा, सोनाली की 'हम यहाँ तुम यहाँ' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचेः-

१. अमिताभ, वहीदा, जीनत की फिल्म-३
२. अशोक, बीना की 'जाता हूँ मैं' गीत वाली फिल्म-२,१
३. 'इश्क में दिल' गीत वाली नसीर, डिम्पल की फिल्म-४
४. सनी, शाहरूख, जूही की फिल्म-२
५. १९९४ में आई मिथुन, गोविंदा, योगिता की एक फिल्म-४
६. जीतेंद्र, बबीता की फिल्म-३
१०. 'आगे सुख तो' गीत वाली अनिल, विजया की फिल्म-३
१२. विवेक, दीया की 'दिल ही दिल में' गीत वाली फिल्म-२
१३. राजकुमार, मीना की फिल्म-३
१४. संजयदत्त, पूजा की 'जब जब प्यार' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
१७. राजेंद्रकुमार, वहीदा रहमान की 'ये मौसम भीगा भीगा है' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'दो नैनों के पंख' गीत वाली फिल्म-२
२०. सनी, समीरा की 'नशा है आज' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'गैर से अंख लड़ाई' गीत वाली फिल्म-३
२३. विनोद, डिम्पल की 'चंपई धूप के' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'मेरा मन भंवरा' गीत वाली फिल्म-३
२६. मिथुन, अतुल, पूजा की फिल्म-३
२७. 'देखो देखो जानम हम' गीत वाली फिल्म-२
२८. सुनीलदत्त, आशा की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3116

बं	ध	न		क्ष	त्रि	य		ज	ख्मी
दि		सी	मा		दे	श	प्रे	मी	
श	बा	ब		दे	व		म	न	
	बु		जो	श		बा	गी		खु
दौ	ल	त		द्रो	ही		त	ला	शी
ड़		ला		ही		पा		ट	
	रे	श	नी		आ	प	के	सा	थ
जं	ग		य	की	न			ब	
ग			त		बा	द	ल		जी
ल	की	र		डॉ	न		की	म	त

सूडोकु -3117

			4				3	
		6		2		4		
		8			5			
	3						7	
7				4				9
	9						5	
			2			1		
		1		7		6		
	5				3			

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3116 का हल

7	8	5	4	2	9	6	3	1
3	6	4	1	5	7	8	9	2
9	2	1	6	3	8	7	4	5
6	5	3	2	8	4	9	1	7
1	7	2	3	9	6	4	5	8
4	9	8	7	1	5	2	6	3
2	4	7	5	6	1	3	8	9
5	3	9	8	4	2	1	7	6
8	1	6	9	7	3	5	2	4

शब्द पहेली - 3117

बाएँ से दाएँ

1. असभ्यता,मूर्खता-4
3. निर्भय,बहादुर-3
5. प्याला-2
6. सहारा,शरण-3
7. मां का भाई-2
9. साठ वर्ष की अवधि-3
11. परतंत्रता,गुलामी-5
14. दानव,दैत्य-3
16. लूटपाट-4
17. वाद्य यंत्र-2
18. परछाई,छाया-2
19. आदत,स्वभाव(उर्दू-4)
23. जंगल,वन-3
24. सेंधमार-5
27. गजल लिखने वाला-3
28. मोटा आटा,सूजी-2
30. गुलिस्तां,बाग-3
31. एक ग्रह,शनिश्चर-2
32. दबाना,कुचलना-3
33. रोब वाला, ठसके वाला-4

ऊपर से नीचे

1. मंत्रों का पाठ-2
2. उद्देश्यहीन-4
3. अनूठा,अनोखा-3
4. लक्ष्मी,कमला-2
5. खीजना,रोना-4
6. एक पौधा,अकुवा, आकड़ा-2
8. दक्ष,होशियार-3
10. जमीकंद,एक सब्जी-3
12. धैर्य,संयम-3
13. अस्थमा-2
15. एक गायिका-3
17. वर्षा ऋतु-3
18. महोदय-3
20. पैंदा,तला-2
21. पुत्र,बेटा-3
22. अवमानना-4
23. नास्तिक (उर्दू-3)
25. करामात-4
26. प्रतिज्ञा-3
27. ठाठ-बाट-2
29. अदालत में प्रस्तुत दावा-2
31. तीर,बाण-2

शब्द पहेली -3116 का हल

	अ	स	ह	यो	ग		अ	दा	ब	त
र	क्स		रा		ग	रु	ड़		न	र
ख		स	ना	त	न		ना	म		क
र	फ्ता	र			चुं	गी		त	म	स
खा		मा		चा	बी		सी		ही	
व	ल	या	का	र		प	रा	या	प	न
	क		या		का	ल		द		क
द	वा	त		भ	ला			गा	य	ब
र		र	ज			बा	जी	ग	र	ज
क	र		ल	ह	जा		जं		खा	न
भा	जा	य	ज		र	घु	ना	य	क	

मडगांव एक्सप्रेस में पहली बार कॉमेडी किरदार में नजर आएंगे प्रतीक गांधी

अभिनेता से निर्देशक बने कुणाल खेमू की फिल्म मडगांव एक्सप्रेस का ट्रेलर आज मंगलवार को मुंबई में लॉन्च हुआ। इस फिल्म की कहानी भी खुद कुणाल खेमू ने ही लिखी है। कुणाल खेमू ने बताया कि इस फिल्म की कहानी वह पहले अपने लिख रहे थे, लेकिन जब उन्होंने इस फिल्म को निर्देशित करने की सोची तो उन्होंने इस फिल्म में एक्टिंग करने के बारे में नहीं सोची। क्योंकि दोनों जिम्मेदारी एक साथ निभाना उनके लिए बहुत मुश्किल था। अभिनेता प्रतीक गांधी फिल्म में पहली बार कॉमेडी किरदार में नजर आएंगे। प्रतीक गांधी ने कहा, कॉमेडी करना बहुत कठिन होता है, लेकिन मैं कॉमेडी बहुत पसंद करता हूं। इस फिल्म के लिए जब मुझसे पहली बार संपर्क किया गया तो मुझे नहीं पता था कि कुणाल खेमू ने फिल्म लिखी है और निर्देशित करने जा रहे हैं। पहली मुलाकात में जब कुणाल खेमू ने मुझे फिल्म की स्क्रिप्ट सुनाई तो आधी कहानी सुनने के बाद ही फिल्म में तुरंत काम करने की हामी भर दी। हर आदमी अपने जीवन में कभी ना कभी मस्ती करता है, लेकिन मेरा मानना है कि मस्ती करो, पड़के मत जाओ। मेरी आदत स्कूल के जमाने से है। मेरे पिता जी टीचर थे, इस वजह से स्कूल में मेरी बाकी बच्चों से अलग छवि रही है। मस्ती मैं भी करता है, लेकिन इस बात का हमेशा ध्यान रहता था कि मस्ती करते वक्त कभी पकड़ा ना जाऊं।

अपकमिंग फिल्म ठग लाइफ का हिस्सा नहीं होगे दुलकर सलमान

साउथ सुपरस्टार कमल हासन की अपकमिंग फिल्म ठग लाइफ इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। मणिरत्नम के निर्देशन में बनी इस फिल्म में कमल हासन के साथ-साथ दुलकर सलमान भी अहम भूमिका में नजर आने वाले थे, लेकिन अब चर्चा है कि दुलकर ठग लाइफ का हिस्सा नहीं होगे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म के कुछ हाई-ऑक्टेन एक्शन दृश्य की शूटिंग सर्बिया में चल रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ठग लाइफ में दुलकर सलमान महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आने वाले थे, लेकिन अपने कई अन्य महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट के चलते दुलकर ने ठग लाइफ को छोड़ दिया है। रिपोर्ट्स की माने तो अभिनेता अगले कुछ समय तक काफी व्यस्त हैं और उनके पास तारीखों की कमी है, जिसके चलते उन्हें इस बहुप्रतीक्षित फिल्म को छोड़ना पड़ा। हालांकि, मेकर्स या फिर दुलकर की ओर से अभी तक इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। गौरतलब है कि ठग लाइफ में जयम रवि भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले है। फिल्म में फिल्म में वे कैमियो करेंगे। हालांकि, जयम रवि के फिल्म में शामिल होने को लेकर भी मेकर्स की तरफ से कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

बैंक की जॉब छोड़ ग्लैमर फील्ड में आना चैलेंजिंग रहा

शेमारू उमंग पर हाल ही में टीवी शो चाहेंगे तुम्हें इतना टेलीकास्ट हुआ है। इसमें भोपाल की रहने वाली स्वाति शर्मा मुख्य भूमिका निभा रही हैं। ऐसे में स्वाति से शो और प्रोफेशनल लाइफ से जुड़ी कुछ दिलचस्प बातें हुई।

अपने किरदार के बारे में कुछ बताइए?

मेरे किरदार का नाम आशी है। इस किरदार में भावनाओं की कई परतें मौजूद हैं। शुरुआती एपिसोड्स में इमोशनल सीन को शूट करते वक्त मैं ग्लिसरीन पर निर्भर रहा करती थी, लेकिन अभय भार्गव सर ने मुझे अपने किरदार को गहराई से महसूस करने की सलाह दी। नतीजतन, मैंने न केवल पर्दे पर बल्कि असल जिंदगी में भी आशी के साथ जुड़ना शुरू कर दिया। जिस तरह आशी का अपने बाबा के साथ मजबूत रिश्ता है, उसी तरह मैं भी अपने पिता के साथ एक खास रिश्ता साझा करती हूं।

आपके किरदार आशी और खुद आप में क्या समानताएं हैं?

चाहेंगे तुम्हें इतना में मेरा किरदार मेरे स्वभाव से अलग है। यह एक बहू और ससुर की कहानी है। आशी मेरी लाइफ से बिल्कुल अलग है। शो में ससुर अपनी बहू आशी को बेटी की तरह मानते हैं। शादी के बाद पढ़ाई करा रहे हैं। यह रिश्तों की पड़ताल करने वाला शो है, जिसमें आशी अपने से ऊपर अपने परिवार को रखती है। वह अपनी जिम्मेदारियों और अपने प्यार के बीच संतुलन को बनाए रखती है। आशी के किरदार में ढलने में मुझे काफी वक्त लगा। सीरियल में अभिनेता अभय भार्गव ससुर की भूमिका निभा रहे हैं और अभिनेत्री ख्याति केसवानी उनकी सास की भूमिका में हैं। यह दर्शकों के बीच खूब पसंद भी किया जा रहा है।

अपने को-एक्टर्स के साथ आपका रिश्ता कैसा है?

इस किरदार की खूबियों की बात करूं तो अभय भार्गव ऑन स्क्रीन और ऑफ स्क्रीन दोनों जगह मेरे लिए पिता समान हैं, जिससे उनके साथ अभिनय करना मेरे लिए आसान हो जाता है। वह हमेशा मुझे अपना मार्गदर्शन देते हैं और अमूल्य सलाह भी देते हैं। वरिष्ठ होने के बावजूद, वह सुनिश्चित करते हैं कि उनके आसपास मौजूद हर कोई सहज महसूस करे। स्क्रीन पर आशी और उसके बाबा के बीच एक खूबसूरत रिश्ता है, जो ऑफ-स्क्रीन भी हमारे इस बंधन को दर्शाता है।

एक्टिंग की ट्रेनिंग को लेकर क्या प्लान है?

इस शो के बाद अगर मुझे टाइम मिलता है तो जरूर ट्रेनिंग करूंगी। हालांकि मुझे लगता है कि इतना काम करते-करते वैसे ही ट्रेनिंग हो जाती है। हमें कई बार एक्टिंग वर्कशॉप में भी शामिल होना पड़ता है।

करियर में क्या कुछ चैलेंजिंग रहा है?

सबसे पहला चैलेंज था लोगों को मनाना कि जॉब छोड़कर मुझे इस फील्ड में आने दो। दूसरा चैलेंज ये था कि जॉब के रहते-रहते ऑडिशन देना। मोस्टली हमें ऑडिशन के लिए कोई स्क्रिप्ट मिलती है तो कहा जाता है कि आज के ही आज वीडियो शूट करके दीजिए। वह मेरे लिए थोड़ा प्रॉब्लमैटिक हो जाता था कि जॉब के रहते-रहते ऑडिशन भी मैनेज करना। मेरा मानना है कि आप अपने ड्रीम को पाने के लिए जितनी मेहनत करते हैं और जब वह ड्रीम पूरा हो जाता है तो सारी मेहनत सफल हो जाती है। शेमारू उमंग पर मेरे भोपाल के लोग मुझे देख पाएंगे, मेरे लिए इससे बड़ी बात क्या हो सकती है।

मार्शल आर्ट में इन सितारों को हासिल है महारत, कोई ब्लैक बेल्ट तो किसी ने कुंग फू में ली है ट्रेनिंग

इंडस्ट्री में कई सितारे ऐसे हैं, जिन्हें एक्टिंग के साथ-साथ मार्शल आर्ट में भी महारत हासिल है। बड़े पर्दे पर एक्शन सीन करते हुए ये सितारे अपनी ट्रेनिंग का बखूबी इस्तेमाल करते हैं। इस लिस्ट में बॉलीवुड के यंग स्टार्स के साथ-साथ दिग्गज अभिनेता और अभिनेत्रियां भी शामिल हैं। चलिए आपको इन सितारों से रूबरू कराते हैं।

अक्षय कुमार

इस लिस्ट में पहला नाम अक्षय कुमार का है, खतरों का खिलाड़ी अक्षय कुमार ने हांगकांग में मार्शल आर्ट की ट्रेनिंग ली हैं। वे शोटोटन कराटे और मय थाई में ब्लैक बेल्ट हैं। अपनी फिटनेस को लेकर खूब सजग रहने वाले अक्षय ने अपने करियर की शुरुआत मॉडलिंग से की थी। इसके बाद उन्होंने एक्टिंग को अपना करियर बनाया। आज अक्षय अपने फिल्म के एक्शन स्टंट खुद से ही करते हैं।

माधुरी दीक्षित

बॉलीवुड की धक-धक गर्ल माधुरी दीक्षित ने भी मार्शल आर्ट की ट्रेनिंग ली है। माधुरी ने शाओलिन कुंग फू में ट्रेनिंग ली है। अपने अभिनय और डांसिंग के साथ-साथ माधुरी किसी को भी सबक सिखाने का हुनर रखती हैं।

शिल्पा शेट्टी

इस लिस्ट में अगला नाम इंडियन पुलिस फोर्स में अपने किरदार से चर्चा बटोर रही अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी का है। एक्टिंग और डांसिंग के अलावा शिल्पा को मार्शल आर्ट में भी महारत हासिल है। वे कराटे में ब्लैक बेल्ट हैं। आज भी शिल्पा योगा करते हुए अपने शरीर के लचीलेपन से हर किसी को हैरान कर देती हैं।

विद्युत जामवाल

फिल्म क्रैक को लेकर चर्चा बटोर रहे विद्युत जामवाल एक प्रशिक्षित मार्शल आर्ट और जिमनास्ट है, फिल्मों में विद्युत के एक्शन सीन को देख कर इसका अंदाजा बखूबी लगाया जा सकता है। क्रैक अभिनेता चार साल की छोटी सी उम्र से कलारीपयट्टू की ट्रेनिंग ली है इसके साथ ही उन्होंने मार्शल आर्ट में भी महारत हासिल किया है, जिसका नमूना वे समय-समय पर अपने इंस्टाग्राम पर दिखाते रहते हैं। विद्युत ने जिमनास्टिक के साथ-साथ जुजुत्सु, कुंग फू और कलारी की भी ट्रेनिंग ली है।

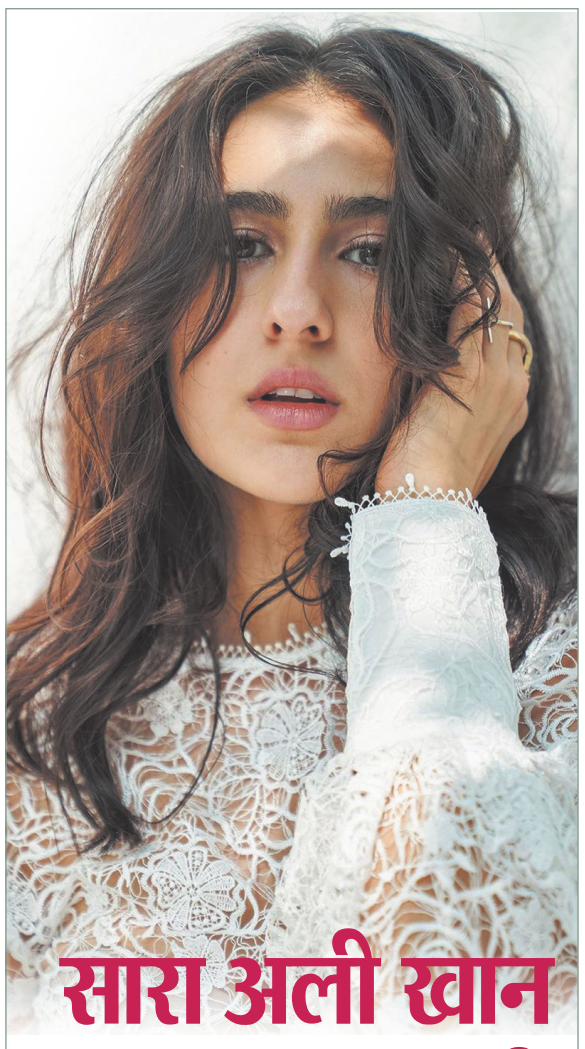

सारा अली खान की फिर बंधी ओटीटी से आस

अभिनेत्री सारा अली खान की आगामी फिल्म ए वतन मेरे वतन का ट्रेलर सोमवार को फिल्म के मेकर्स ने ऑनलाइन लांच कर दिया। एक गुमनाम नायक की अनकही कहानी में अभिनेत्री सारा अली खान का दमदार अवतार नजर आ रहा है। सारा अली खान कहती है कि इस तरह का दमदार किरदार निभाना मेरे लिए बड़े सम्मान की बात है, जिसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। फिल्म ए वतन मेरे वतन के ट्रेलर में अपने दमदार अवतार को देखकर उत्साहित सारा अली खान कहती हैं, मेरी खुशकिस्मती है कि मुझे यह किरदार निभाने का मौका मिला, जिसके लिए मैंने चीजों को अपने नजरिए से देखने के साथ-साथ यह समझने की कोशिश की, कि कौन सी बात मुझे प्रेरित करती है। यह फिल्म अनगिनत गुमनाम नायकों के बलिदान की याद दिलाती है, इसके साथ ही यह फिल्म इंसान के जज्बातों और उनके साहस की मिसाल पेश करती है। इस फिल्म में अभिनेता इमरान हाशमी स्पेशल गेस्ट अपीयरेंस में हैं। वह कहते हैं, यह मेरे लिए बड़े सम्मान की बात है कि मुझे भारत के आजादी की लड़ाई के एक राजनेता का किरदार निभाने का मौका मिला। सारा अली खान के साथ यह मेरी पहली फिल्म है, फिल्म में अपने दमदार परफॉर्मेंस से वह दर्शकों को हैरत में डाल देंगी। मुझे इस बात की खुशी है कि इस तरह की दिल को छू लेने वाली कहानी का मैं भी एक छोटा सा हिस्सा हूं।

16 साल बाद आमिर के साथ काम करेंगे दर्शील सफारी

दर्शील सफारी ने साल 2007 में आमिर खान की फिल्म 'तारे जमीन पर' से बतौर चाइल्ड एक्टर बॉलीवुड डेब्यू किया था। यह फिल्म क्रिटिकली और कॉमर्शियली सक्सेसफुल रही थी और दर्शील रातों-रात सुपरस्टार बन गए थे। अब 16 साल बाद दर्शील एक बार फिर से आमिर खान के साथ काम करने जा रहे हैं। इस बात की जानकारी उन्होंने एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए दी। दर्शील ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर की जिसमें उन्होंने आमिर के साथ एक कोलाज शेयर किया है। इस फोटो में दो तस्वीरें हैं। पहली 16 साल पहले रिलीज हुई फिल्म 'तारे जमीन पर' के एक सीन की है, वहीं दूसरी में दोनों एक्टर्स री-यूनियन करते नजर आ रहे हैं। इसे शेयर करते हुए दर्शील ने लिखा, 'बूम.. 16 साल बाद, हम फिर से साथ हैं। इमोशनल? हां.. थोड़ा था.. चार्ज्ड? बिल्कुल। मेरे फेवरेट मेन्टर को इस एक्सपीरिएंस के लिए खूब सारा प्यार। कुछ बड़ा खुलासा होने वाला है। 4 डेज टु गो..'

दिबाकर बनर्जी ने लव सेक्स और धोखा 2 के लिए 6,000 कलाकारों का लिया ऑडिशन

फिल्म लव सेक्स और धोखा 2 के लिए फिल्म निर्माता दिबाकर बनर्जी ने विभिन्न भूमिकाओं के लिए 6,000 से अधिक कलाकारों का ऑडिशन लिया। यह फिल्म 2010 में बनी स्लीपर हिट का सीक्वल है। फिल्म निर्माता दिबाकर बनर्जी ने सर्वश्रेष्ठ प्रतिभा को चुनने के लिए कड़ी मेहनत की। इस बात का ध्यान रखा कि किरदार कहानी में फिट बैठ सके। एक सूत्र ने कहा, दिबाकर बनर्जी ने भूमिका के लिए लगभग 6,000 कलाकारों का ऑडिशन लिया। ऑडिशन लेते समय उनका विजन साफ था कि वह किस किरदार के लिए लोग चुन रहे हैं। इस पर उन्होंने काफी रिसर्च की थी। इसके लिए दिबाकर ने एकता कपूर के साथ मिलकर कुछ दिनों तक लगभग 10 से 12 घंटे तक भारतभर के यूट्यूबर्स की बहुत सारी फोटोज और वीडियो देखी। फिल्म 2010 की स्लीपर हिट लव सेक्स और धोखा का सीक्वल है। दिबाकर की पहली दो फिल्मों खोसला का घोसला और ओए लकी, लकी ओए के बाद यह उनकी तीसरी फिल्म है। सीक्वल का दर्शक बड़ी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

टीवी के शाहरुख बन खुश हैं धीरज धूपर

धीरज धूपर टेलीविजन इंडस्ट्री के मशहूर नामों में से एक नाम हैं। उन्होंने जी टीवी के हिट शो कुंडली भाग्य में काम किया था। दर्शकों ने उन्हें इस शो में काफी सराहा भी था। आने वाले दिनों में वे सीरियल रब से है दुआ में दिखाई देने वाले हैं। धीरज अपने इस शो को लेकर बेहद उत्साहित हैं। हाल ही में अपने नए शो के प्रमोशन के दौरान उन्होंने इस सीरियल में अपने किरदार और बॉलीवुड में अपने डेब्यू के बारे में कई खुलासे किए। धीरज धूपर जी टीवी के आगामी शो रब से है दुआ में अहम भूमिका निभाते दिखाई देने वाले हैं। यह शो मुस्लिम समुदाय पर आधारित है। धीरज अपने शो के बारे में बात करते हुए कहते हैं, मैंने आज तक जितने भी किरदार निभाए हैं उन सबसे काफी अलग किरदार निभाने का मौका मुझे इस शो में मिल रहा है। मैं सुभान सिद्दीकी का किरदार निभा रहा हूं और इस किरदार के लिए मैं उर्दू सीख रहा हूं। मेरे लिए इस सीरियल में काम करना काफी रोमांचक अनुभव रहा है। धीरज धूपर ने सीरियल कुंडली भाग्य में अपने छह साल तक काम किया था। इस शो के बारे में बातें करते हुए धीरज कहते हैं, मेरे लिए मेरे फैंस की खुशी सबसे ज्यादा मायने रखती हैं। करण लूथरा के किरादर में मुझे दर्शकों ने काफी प्यार दिया था और मैं वही प्यार शो रब से है दुआ के किरदार सुभान के लिए भी चाहता हूं। दर्शक मुझे टेलीविजन का शाहरुख खान कहते हैं और मेरे लिए यह खुशी की बात है। धीरज धूपर अपनी बात जारी रखते हुए कहते हैं, मैं आज जहां हूं और जिस तरह का रोल कर रहा हूं मैं उससे काफी संतुष्ट हूं।